आषाढ़ शुक्ल पक्ष -5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 13 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

18 जुलाई 2026 शनिवार

आज का मौसम

34.4 अधिकतम

26.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दतिया में चेहरे का चयन....सूत्रधार की पटकथा का ही एक अध्याय!

मध्यप्रदेश की हाई-प्रोफाइल दतिया विधानसभा सीट का उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है। यह भाजपा के भीतर बदलते शक्ति-संतुलन, नेतृत्व चयन की शैली और संगठन की नई कार्यप्रणाली को समझने का अवसर भी बन गया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दतिया में आशुतोष तिवारी की उम्मीदवारी को केवल स्थानीय राजनीतिक फैसला माना जाए, या फिर यह भाजपा के कई बड़े निर्णयों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसकी चर्चा लंबे समय से सत्ता और संगठन के गलियारों में होती रही है?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा जैसे स्थापित और प्रभावशाली नेता की जगह अपेक्षाकृत अपरिचित आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पहला सवाल यही था। आखिर आशुतोष तिवारी हैं कौन? वे कहाँ से आए? स्थानीय राजनीति में उनकी भूमिका क्या रही है? बाद में कार्यकर्ताओं को यह जानकारी मिली कि आशुतोष तिवारी मूल रूप से भांडेर क्षेत्र से जुड़े हैं, जो 2008 के परिसीमन से पहले ग्वालियर जिले का हिस्सा था और बाद में दतिया जिले में शामिल हुआ। लेकिन इसके बाद एक दूसरा सवाल और तेज़ी से उभरा। इतने बड़े राजनीतिक दांव के पीछे आखिर किसकी सोच काम कर रही थी?

इन्हीं चर्चाओं के केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेश सोनी का नाम सामने आता है। यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि सुरेश सोनी वर्षों से भाजपा संगठन में किसी औपचारिक पद पर नहीं हैं। उनकी भूमिका संघ के शीर्ष नेतृत्व में रही है। इसके बावजूद संघ और भाजपा की कार्यप्रणाली को निकट से देखने वाले अनेक राजनीतिक पर्यवेक्षक उन्हें ऐसे रणनीतिक व्यक्तित्व के रूप में देखते हैं, जिनकी राय आज भी गंभीरता से सुनी जाती है।

2013 का दौर भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ माना जाता है। उस समय नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्तर पर आगे लाने को लेकर भाजपा के भीतर तीखी खींचतान चल रही थी। उस दौर की राजनीतिक चर्चाओं और विश्लेषणों में संघ नेतृत्व के जिन वरिष्ठ पदाधिकारियों की भूमिका का उल्लेख मिलता है, उनमें सुरेश सोनी का नाम भी प्रमुखता से लिया जाता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में सत्ता और संगठन के गलियारों में वर्षों से यह धारणा भी सुनाई देती रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरेश सोनी के बीच संगठनात्मक विश्वास का मजबूत रिश्ता रहा है। इस धारणा की कोई आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसका उल्लेख समय-समय पर होता रहा है। भाजपा ने दतिया उपचुनाव में जिस स्तर पर अपनी पूरी ताकत झोंकी है, उससे भी यह संकेत मिलता है कि पार्टी इस चुनाव को साधारण उपचुनाव नहीं मान रही। परिणाम चाहे जो हो, लेकिन दतिया ने प्रदेश भाजपा की निर्णय प्रक्रिया, संगठनात्मक शक्ति-संतुलन और भविष्य के नेतृत्व को लेकर कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की सीट पर चूक, और फिर सुधार

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट सामान्य सीट नहीं है। यह भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की छोड़ी हुई सीट है। इसलिए यहाँ होने वाला उपचुनाव पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बन गया। प्रारंभ में भाजपा ने अभिषेक कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाया और उनका नामांकन भी हो गया। लेकिन बाद में पार्टी ने अचानक निर्णय बदलते हुए नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित कर दिया। कारण कोई और नहीं वो बवाल था जो अभिषेक कुमार सिंहा की उम्मीदवारी से उठा था । सवाल यह था की नीरज के पिता सजायाफ़्तता हैं, लिहाजा पार्टी लोगों के सवालों का इससे कैसे सामना करेगी ? आधिकारिक कारण चाहे जो रहे हों, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस फैसले को एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की सीट पर भाजपा किसी भी प्रकार का जोखिम लेने के पक्ष में नहीं थी। चुनावी राजनीति में धारणा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी वास्तविकता। ऐसे में पार्टी ने समय रहते अपना निर्णय बदला और संभावित विवादों से दूरी बनाने का प्रयास किया। इस घटनाक्रम ने यह संकेत अवश्य दिया कि भाजपा अब उपचुनावों को भी पूरी राजनीतिक गंभीरता से लड़ रही है और प्रतिष्ठा से जुड़ी सीटों पर कोई अवसर हाथ से जाने देना नहीं चाहती।

मेडिकल सेक्टर में बड़ा बदलाव... सीटें बढ़ेंगी, फीस और गुणवत्ता पर सवाल

मुनाफा कमाने वाली कंपनियों के लिए खुलेंगे मेडिकल एजुकेशन के दरवाजे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले छात्रों और मेडिकल फील्ड में निवेश करने वालों के लिए एक बहुत बड़ी खबर आई है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव कर दिया है। अब देश में कोई भी प्राइवेट कंपनी अपना मेडिकल कॉलेज शुरू कर सकेगी। इस नए फैसले से माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में देश में मेडिकल कॉलेजों और सीटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी।

पहले सरकार का नियम था कि सिर्फ नॉन-प्रॉफिट (बिना मुनाफा काम करने वाली) संस्थाएं, ट्रस्ट ट्रस्ट या कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत पंजीकृत कंपनियां ही मेडिकल कॉलेज खोल सकती थी। सेक्शन-8 वाली कंपनियों का मकसद मुनाफा कमाना नहीं होता। कॉलेज से जो भी कमाई होती थी, उसे मालिक अपनी जेब में नहीं रख सकते थे, बल्कि उसे कॉलेज के विकास या चैरिटी में ही लगाने के नियम का पालन करना पड़ता था। नए नियम के तहत अब कंपनीज एक्ट 2013 में रजिस्टर्ड कोई भी प्राइवेट या पब्लिक लिमिटेड कंपनी मेडिकल कॉलेज खोल सकेगी। यानी अब कंपनियां कानूनी तौर पर इस सेक्टर से मुनाफा कमा सकेंगी।

सरकार का मानना है कि नो-प्रॉफिट वाली कड़ी शर्त के कारण देश के बड़े-बड़े बिजनेस ग्रुप और कॉर्पोरेट घराने मेडिकल सेक्टर में निवेश करने से कतरा रहे थे। इसके अलावा, एक कड़वी सच्चाई यह भी थी कि कई संस्थान नो-प्रॉफिट के नाम पर चोरी-छिपे मुनाफा कमा ही रहे थे। अब जब कंपनियां कानूनी रूप से पारदर्शी तरीके से कॉलेज खोलेंगी, तो सरकार को भारी मात्रा में टैक्स भी मिलेगा और देश में मेडिकल का इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत होगा।

इमारतों और सीटों की संख्या तक सीमित न हो यह बदलाव

देश में मेडिकल शिक्षा का स्वरूप बदलने फैसला पहली नजर में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम लगता है, लेकिन इसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। यह सच है कि भारत में डॉक्टरों की भारी कमी है। हर साल लाखों छात्र-छात्राएं मेडिकल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद सीमित सीटों के कारण डॉक्टर बनने का अवसर खो देते हैं। यदि निजी कंपनियों के निवेश से नए मेडिकल कॉलेज खुलते हैं, तो एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या बढ़ेगी, आधुनिक अस्पताल आएँगे और चिकित्सा ढांचे को मजबूती मिलेगी। सरकार के लिए भी यह सार्वजनिक निवेश का बोझ कम करने का एक माध्यम बन सकता है। लेकिन, दूसरा पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। किसी भी निजी कंपनी का मूल उद्देश्य लाभ कमाना होता है। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या मेडिकल शिक्षा भी पूरी तरह एक कारोबार बन जाएगी? पहले से ही अनेक निजी मेडिकल कॉलेजों की साल की फीस लाखों रुपये है, जो सामान्य और मध्यम वर्ग के परिवारों की पहुंच से बाहर है। इसके अलावा इन कॉलेजों में एडमीशन के लिए अवैध ढंग से वसूली जाने वाली भारी - भरकम रकम का खेल भी किसी से छिपा नहीं है। गुणवत्ता का सवाल भी कम गंभीर नहीं है। डॉक्टर तैयार करना किसी उद्योग का उत्पाद बनाने जैसा नहीं है। इसके लिए अनुभवी शिक्षकों, पर्याप्त मरीजों वाले ट्रेनिंग अस्पताल, रिसर्च और नैतिक प्रशिक्षण की जरूरत होती है। यदि क्वालिटी पर मुनाफा पर हावी हुआ, तो इसका सीधा असर देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा। मोटी रकम देकर पढ़ने वाले छात्र समाज में सेवा की भावना रख पाएंगे या शिक्षा पर खर्च राशि की कई गुना वसूली का लक्ष्य लेकर चलेंगे। और ,कमजोर ट्रेनिंग वाले डॉक्टर अंततः मरीजों की सुरक्षा और इलाज की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए असली चुनौती निजी निवेश को रोकने की नहीं, बल्कि उसके लिए कठोर और पारदर्शी नियामक व्यवस्था विकसित करने की है। एनएमसी और सरकार को फीस निर्धारण, बुनियादी ढांचे, फैकल्टी, रिसर्च , अस्पतालों की गुणवत्ता और नियमित निरीक्षण के ऐसे मानक बनाने होंगे जिनसे किसी भी प्रकार का समझौता संभव न हो। साथ ही, गरीब और मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति तथा सीटों का पर्याप्त प्रावधान भी सुनिश्चित करना होगा।

मेडिकल शिक्षा का विस्तार देश की आवश्यकता है, लेकिन यह विस्तार केवल इमारतों और सीटों की संख्या तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि इस बदलाव से गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती चिकित्सा शिक्षा मिलती है, तो यह ऐतिहासिक सुधार होगा। लेकिन यदि चिकित्सा शिक्षा पूरी तरह बाजार के हवाले हो गई, तो डॉक्टर बनने का सपना प्रतिभा नहीं, बल्कि जेब की ताकत से तय होने लगेगा। यही वह खतरा है, जिससे समय रहते सावधान रहने की आवश्यकता है।

खबर से आगे

अनिल शर्मा

न्यूज विंडो

तीसरी शादी को लेकर आमिर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से धमकी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी मिलने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित चिट्ठी और ऑडियो संदेश में गैंग से जुड़े बताए गए लोगों ने आमिर खान और उनकी साथी गौरी स्प्रैट के रिश्ते को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। साथ ही अभिनेता को धमकी भरी चेतावनी भी दी गई है। कथित पत्र में आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई के नाम का उल्लेख किया गया है।

अरुणाचल में लैंडस्लाइड, यूपी में भारी बारिश का अलर्ट

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई। बाढ़ से अब तक 1,13,674 लोग प्रभावित हुए हैं।यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया।

आज का कार्टून

अब सीजेपी फाउंडर दीपके ने शुरू की भूख हड़ताल

अनशन के 21वें दिन वांगचुक को पुलिस ले गई अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस आज सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का विरोध किया, जिससे वहां हंगामा हो गया।

इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने कहा- पुलिस ने सोनम सर को गालियां दीं और घसीटकर जबरन अस्पताल ले गए। पुलिस ने मेरे साथ भी मारपीट की। हम पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग करते हैं।वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे थे। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। उनका वजन करीब 9.5 किलो कम हो गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वांगचुक का रोजाना मेडिकल चेकअप किया जाए और जरूरत पड़ने पर उनका इलाज कराया जाए।

खिताब से एक कदम दूर

शानदार कमबैक: जापान ओपन के फाइनल में सिंधु

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया। सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई हैं।

फुटबाल: आज ब्रॉन्ज के लिए भिड़ेंगे फ्रांस और इंग्लैंड

फ्लोरिडा। 2022 वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल के बाद फ्रांस और इंग्लैंड एक बार फिर फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबले में आमने-सामने होंगे। हालांकि दोनों टीमों के बीच तीसरे स्थान (ब्रॉन्ज मेडल) के लिए यह पहली भिड़ंत होगी। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में आज देर रात 2:30 बजे से मुकाबला खेला जाएगा।

अमेरिका के हमले जारी, दो तेल टैंकरों में विस्फोट

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए।

हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस दावे को झूठा बताया। लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए गए। अल जजीरा के मुताबिक, इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा।

राममंदिर चढ़ावा चोरी: टिन्नू यादव और मनीष 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर

अयोध्या। राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में जांच को आगे बढ़ाते हुए एंटी करप्शन कोर्ट से मुख्य आरोपित रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस ने 39 घंटे की रिमांड पर लिया है। अदालत के आदेश के बाद आज सुबह दोनों आरोपितों को जेल से निकालकर पुलिस ने अपनी हिरासत में ले लिया है।मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी ने दोनों आरोपितों से गहन पूछताछ के लिए सात दिन की पुलिस रिमांड की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने आज सुबह 8 बजे से 19 जुलाई की रात 11 बजे तक, कुल 39 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड स्वीकृत की।

मेट्रो एंकर

मिशन आगमन... 450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंचा, पीएम मोदी ने फोन पर दी बधाई

देश के पहले निजी रॉकेट विक्रम-1 की सफल लॉन्चिंग

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने आज भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से दोपहर 12:05 बजे की गई। पहले यह लॉन्चिंग 11:30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर के होल्ड का बाद इसे दोबारा शुरू किया गया।

कंपनी ने 2022 में विक्रम-S सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 किमी × 450 किमी की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया है। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सी वी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' अंकित हैं।

इसलिए यह मिशन है खास

अब तक भारत में कक्षा में उपग्रह भेजने का काम मुख्य रूप से इसरो के रॉकेटों के जरिए होता रहा है। अगर विक्रम-1 सफल होता है तो भारत की निजी कंपनियां भी स्वतंत्र रूप से व्यावसायिक लॉन्च सेवाएं देने में सक्षम होंगी। आईएन-स्पेस के तकनीकी निदेशक राजेश जोथी के अनुसार यह मिशन छोटे उपग्रहों और छोटे लॉन्च व्हीकल के वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत कर सकता है। उनका कहना है कि वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार लागू होने के बाद निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है।

अवैध बूचड़खाने पर पुलिस का छापा, बाप-बेटे समेत तीन गिरफ्तार

कमल नगर में कथित अवैध गोकशी का मामला; गौमांस, गाय का धड़ और हथियार बरामद, फरार आरोपितों की तलाश जारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र के कमल नगर में डेयरी की आड़ में कथित रूप से संचालित अवैध बूचड़खाने का गुरुवार देर रात खुलासा हुआ। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डेयरी संचालक अजीज, उसके बेटे आसिफ और दामाद जुबैर को गिरफ्तार किया। मौके से गौमांस, एक गाय का धड़ तथा गोकशी में इस्तेमाल होने वाले धारदार हथियार बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार मामले में दो अन्य आरोपित फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

विहिप पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि गोकशी के बाद गायों की हड्डियां पास के खेत में दफना दी जाती थीं। मौके से सब्बल सहित अन्य औजार भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। वहीं क्षेत्र के एक पशुपालक ने

दावा किया कि पिछले तीन महीनों में उसकी चार गायें चोरी हुई थीं और बरामद गाय उसकी है। घटना के बाद संगठनों ने थाने का घेराव कर आरोपितों पर रासुका लगाने की मांग की। पुलिस ने बताया कि डेयरी के लिए अतिक्रमण किए जाने की भी प्रारंभिक जानकारी मिली है, जिसकी सूचना प्रशासन को दे दी गई है। अब जांच इस बात की भी होगी कि गायें कहां से लाई जाती थीं और कथित रूप से बरामद मांस की आपूर्ति किन लोगों तक की जाती थी।

आधी रात की कार्रवाई तीन लोग गिरफ्तार

डेयरी की आड़ में कथित अवैध गोकशी की सूचना मिलने पर गुरुवार देर रात विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के करीब 20 कार्यकर्ता कमल नगर स्थित डेयरी पहुंचे। सूचना मिलते ही निशातपुरा पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए डेयरी संचालक अजीज, उसके बेटे आसिफ और दामाद जुबैर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से गौमांस, एक गाय का धड़ और गोकशी में प्रयुक्त धारदार हथियार बरामद किए। पुलिस का कहना है कि मामले में दो अन्य आरोपित फरार हैं, जिनकी तलाश लगातार की जा रही है। बरामद सामग्री को जब्त कर जांच के लिए भेजा गया है और पूरे घटनाक्रम की विभिन्न पहलुओं से जांच जारी है।

खेत में दफनाई जाती थीं हड्डियां, जांच शुरू

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों का आरोप है कि गोकशी के बाद गायों की हड्डियों को पास के खेत में गाड़ दिया जाता था ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। मौके से सब्बल और खुदाई में उपयोग होने वाले अन्य औजार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इन आरोपों को जांच का हिस्सा बनाया है और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कराया जा रहा है। यदि खेत से हड्डियां या अन्य अवशेष मिलते हैं तो उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी सभी तथ्यों का वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाएगा और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस को शक...मवेशी चोरी के पुराने मामलों से भी जुड़ सकती हैं कड़ियां

क्षेत्र के पशुपालक सतेंद्र ने दावा किया है कि पिछले तीन महीनों में उसकी चार गायें चोरी हो चुकी हैं। उनका आरोप है कि गिरफ्तार आरोपितों ने ही गायों की हत्या कर उनका मांस बेचा। उन्होंने निशातपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बरामद गाय पर अपना दावा भी किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके से लगातार मवेशियों के गायब होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब पुलिस पुराने मवेशी चोरी के मामलों का रिकॉर्ड भी खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन घटनाओं का संबंध गिरफ्तार आरोपितों से है या नहीं। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस स्थान पर डेयरी संचालित की जा रही थी, वहां कथित रूप से अतिक्रमण किया गया था। पुलिस ने इसकी सूचना प्रशासन को भेज दी है और अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि गायें कहां से लाई जाती थीं और कथित रूप से बरामद मांस की आपूर्ति किन लोगों तक की जाती थी।

ऐप पर डेढ़ करोड़ का मुनाफा दिखाया, रकम निकालने के लिए मांगा 30 प्रतिशत टैक्स

पुराने ग्राहक की आड़ में दोस्ती, फर्जी ट्रेडिंग ऐप में फंसाकर कारोबारी से 30 लाख ठगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है, जहां ठग ने खुद को कारोबारी का पुराना ग्राहक बताकर पहले भरोसा जीता और फिर ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच देकर 30 लाख रुपये निवेश करा लिए। ठगों ने दो फर्जी निवेश प्लेटफार्म पर कारोबारी की रकम लगवाई। कुछ समय बाद ऐप पर निवेश की रकम बढ़कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये दिखाई देने लगी। मुनाफा देखकर कारोबारी को भरोसा हो गया कि उसका निवेश सफल है।

पुलिस के अनुसार यमुना काम्प्लेक्स, मारवाड़ी रोड निवासी 49 वर्षीय नितिन गर्ग शादी कार्ड का शोरूम संचालित करते हैं। उनकी शिकायत के मुताबिक कुछ समय पहले निशांत सिंह नामक व्यक्ति ने फोन कर खुद को चार वर्ष पहले कार्ड छपवाने वाला पुराना ग्राहक बताया। बातचीत के दौरान उसने धीरे-धीरे नितिन से दोस्ती बढ़ाई और पीयू प्राइम कंपनी तथा पालीयस फाइनेंस पीएलसी में ऑनलाइन ट्रेडिंग से बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। आरोपित के भरोसे में आकर नितिन ने अक्टूबर और नवंबर 2025 में अलग-अलग किश्तों में करीब 30 लाख रुपये निवेश कर दिए। दिसंबर में रकम निकालने का प्रयास किया तो 30 प्रतिशत टैक्स अलग से जमा करने की मांग की गई। नितिन ने टैक्स की राशि निवेश से काटने को कहा, लेकिन ठग अलग से भुगतान का दबाव बनाते रहे। संदेह होने पर उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की। जांच के बाद जीरो एफआईआर कोतवाली थाने भेजी गई, जहां प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

चार साल पुराने ग्राहक का परिचय देकर ठग ने जीता भरोसा

साइबर ठगों ने कारोबारी को अपने जाल में फंसाने के लिए सीधे निवेश की बात नहीं की, बल्कि पहले भरोसे का रिश्ता बनाया। पुलिस के अनुसार निशांत सिंह ने नितिन गर्ग को फोन कर खुद को चार वर्ष पहले शादी कार्ड छपवाने वाला पुराना ग्राहक बताया। पुराना परिचय होने का दावा कर उसने सामान्य बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे कारोबारी से दोस्ती बढ़ा ली। लगातार संपर्क में रहने के बाद उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश की जानकारी साझा करना शुरू किया। बातचीत के दौरान उसने ऐसी कंपनियों में निवेश का दावा किया, जहां कम समय में भारी मुनाफा कमाया जा सकता है। पुराने ग्राहक के रूप में हुई पहचान और लगातार बातचीत के कारण कारोबारी को उस पर भरोसा हो गया। इसी भरोसे का फायदा उठाकर ठग ने उसे फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म पर निवेश करने के लिए तैयार कर लिया।

30 लाख लगाए तो ऐप पर दिखा डेढ़ करोड़ का मुनाफा

ठगों के झांसे में आने के बाद कारोबारी ने अक्टूबर और नवंबर 2025 के दौरान अलग-अलग किश्तों में करीब 30 लाख रुपये फर्जी निवेश प्लेटफार्म पर लगा दिए। निवेश के बाद ऐप पर कारोबारी को उसकी रकम लगातार बढ़ती हुई दिखाई गई। कुछ समय बाद प्लेटफार्म पर कुल निवेश की राशि करीब डेढ़ करोड़ रुपये दर्शाई जाने लगी। इतनी बड़ी रकम देखकर कारोबारी को लगा कि उसका निवेश सही जगह हुआ है और उसे भारी मुनाफा मिल चुका है। ऐप पर दिखाई जा रही रकम ने उसका भरोसा और मजबूत कर दिया। इसी दौरान जब उसने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो ठगी का असली खेल सामने आया। कंपनी के कथित प्रतिनिधियों ने भुगतान जारी करने से पहले कुल रकम का 30 प्रतिशत टैक्स अलग से जमा करने की शर्त रख दी।

लघुकथा लेखन के नए विषय खोजे जाएं - बिधु भूषण मंडल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पारिवारिक संदर्भों में लघुकथा लेखन के नए विषय खोजे जाएं क्योंकि हमारे आसपास की घटनाएं और विषय से उपजी लघुकथाएं पाठक के हृदय को स्पर्श करती हैं। यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक बिधू भूषण मंडल,जामताड़ा झारखंड के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित साप्ताहिक लघुकथा गोष्ठी के ऑन लाइन गोष्ठी एवं विमर्श आयोजन में मुख्य वक्ता और समीक्षक के रूप में बोल रहे थे। इस आयोजन के आरम्भ में स्वागत उद्बोधन श्रीमती कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल ने दिया। डॉ.वर्षा ढोबले के संचालन में गोष्ठी आरम्भ हुई। डॉ.कुसुम कल्याणी सिंह पटना ने अपनी चुनी हुई पांच लघुकथाएं प्रस्तुत की। ' तिल तिल मरता जीवन ' बुजुर्गों की व्यथा प्रस्तुत करती हुई लघुकथा 'उत्सुकतावश ', ' चूक कहां हुई ' में बच्चों की गलत परवरिश, ' गुटर -गूं ' में कबूतर के माध्यम से मानवीय संवेदना और ' मातृभाषा ' लघुकथा अपनी भाषा के महत्व और प्रेम को दर्शाती है। मुख्य वक्ता की समीक्षा और विमर्श के बाद इन लघुकथाओं पर डॉ.आदर्श प्रकाश, अनीता रश्मि , डॉ.गिरजेश सक्सेना ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणियां प्रस्तुत की। लघुकथा वाचक डॉ.कल्याणी कुसुम सिंह ने मंच का और अतिथियों का आभार प्रकट किया।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक ने की आत्महत्या

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 36 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना से पहले युवक ने अपने पिता के वाट्सएप पर उड़िया भाषा में एक संदेश भेजा था। इसमें उसने माता-पिता से माफी मांगते हुए अपने फैसले का जिक्र किया। संदेश मिलने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पिता ने भोपाल में रहने वाले बेटे के दोस्त से संपर्क कर उसे तत्काल युवक के कमरे पर भेजा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से ओडिशा निवासी सच्ची स्मिथ दास अशोका गार्डन क्षेत्र के सुंदर नगर में किराये के मकान में अकेले रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पिता को संदेश मिलने के बाद दोस्त उसके कमरे पर पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो युवक मृत मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक लंबे समय से नौकरी नहीं लगने और शादी में देरी को लेकर तनाव में था। हालांकि पुलिस अभी मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जगन्नाथ रथयात्रा आज: नीदरलैंड और रूस के विदेशी भक्त भी होंगे शामिल

भोपाल टॉकीज से शाम चार बजे शुरू होगी यात्रा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में इस वर्ष भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा महोत्सव भव्य और अनूठे रूप में मानाया जा रहा है। इस्कॉन पटेल नगर द्वारा आज 13वें भव्य रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

इस धार्मिक उत्सव की सबसे खास बात यह होगी कि इसमें भारत के विभिन्न प्रांतों की कीर्तन मंडलियों के साथ-साथ रूस, नीदरलैंड और कई यूरोपीय देशों से आए विदेशी भक्त भी 'हरे कृष्ण' महामंत्र की धुन पर नृत्य करते हुए शामिल होंगे। शाम चार बजे भोपाल टॉकीज से यात्रा की शुरुआत होगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई प्लेटिनम प्लाजा पर संपन्न होगी। भगवान के स्वागत में भक्तों द्वारा तैयार किया गया 500 किलो विशेष 'खाजा' महाप्रसाद वितरित किया

जाएगा। भगवान के लिए विशेष पोशाक वृंदावन से मंगवाई गई है। इस्कान कोलार द्वारा 19 जुलाई को दोपहर एक बजे सर्वधर्म चौराहा से रथयात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण पूरी तरह से रिमोट कंट्रोल और हाइड्रोलिक सिस्टम से लैस आधुनिक रथ होगा। दोनों ही संस्थाओं द्वारा यात्राओं की तैयारियां और रथों की सफाई का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है।

भोपाल की विशेष अदालत का फैसला, मृत्यु पूर्व बयान व वैज्ञानिक साक्ष्यों को माना अहम

पत्नी ने नहीं बनाई चाय तो पति ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की विशेष अदालत ने पत्नी को पेट्रोल डालकर जलाने के मामले में दोषी पति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश सुचिता श्रीवास्तव की अदालत ने ऐशबाग थाना क्षेत्र के इस मामले में आरोपी प्रीतम मीना को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया। अदालत ने मामले में पेश वैज्ञानिक साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और मृतका के मृत्यु पूर्व बयान को महत्वपूर्ण और विश्वसनीय माना।

अभियोजन के अनुसार, घटना के दिन प्रीतम की पत्नी दुर्गा मीना की तबीयत खराब थी और वह घर में आराम कर रही थी। इसी दौरान प्रीतम ने उससे चाय और खाना बनाने के लिए कहा। दुर्गा ने अस्वस्थ होने की बात

कहते हुए कुछ देर आराम करने की इच्छा जताई। इस बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में प्रीतम ने कहा, 'मैं तुझे आज शैतान बनकर दिखाऊंगा।' इसके बाद आरोपी ने घर में लगे एफएम रेडियो की आवाज तेज कर दी। आरोप है कि वह नीचे से पेट्रोल लेकर आया और पत्नी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग की लपटों से घिरी दुर्गा की चीख सुनकर उसकी मां और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग बुझाकर गंभीर रूप से झुलसी महिला को अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में इलाज के दौरान पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दुर्गा का मृत्यु पूर्व बयान दर्ज किया। इसमें उसने घटना के लिए अपने पति को जिम्मेदार बताया। करीब एक सप्ताह तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद दुर्गा की मौत हो गई। यही बयान अभियोजन के लिए मामले का अहम आधार बना। सुनवाई के दौरान मृतका की मां ने बताया कि दुर्गा की शादी घटना से करीब एक साल पहले हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही प्रीतम दहेज और पैसों के लिए उसे प्रताड़ित करता था। अभियोजन ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी खुद कोई काम नहीं करता था और पत्नी पर मायके से पैसे लाने का दबाव बनाता था। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

नजीराबाद में पार्वती नदी में डूबने से दो भाइयों की मौत 24 घंटे बाद मिले शव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नजीराबाद थाना क्षेत्र में पार्वती नदी में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों युवक नरसिंहगढ़ से लौटते समय पुराने पुल के पास नहाने के लिए नदी में उतरे थे, लेकिन गहरे पानी में चले जाने के कारण बाहर नहीं निकल सके।

सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब 24 घंटे की तलाश के बाद दोनों के शव नदी से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी दुर्जन सिंह बरकड़े ने बताया कि मेगना नवीन गांव निवासी सोनू अहिरवार (26) और गोलू अहिरवार (24) रिश्ते में चचेरे भाई थे। दोनों परिवार के साथ खेती और मजदूरी का काम करते थे। वे किसी काम से नरसिंहगढ़ गए थे। लौटते समय पार्वती नदी के पुराने पुल के पास रुके और नहाने के लिए नदी में उतर गए। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश शुरू की गई, लेकिन अंधेरा होने के कारण रात अभियान रोकना पड़ा। दूसरे दिन सुबह दोबारा सर्च आपरेशन शुरू किया गया। देर रात तक दोनों युवक का शव नदी से निकाल लिया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवकों को तैरना नहीं आता था।

मेट्रो एंकर | पहली बार भोपाल पहुंचे आचार्य समय सागर महाराज, 11 मील में नवीन जिनालय की रखी आधारशिला

धर्म की प्रभावना निर्मल भावनाओं से होती है : आचार्य समय सागर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पहली बार राजधानी भोपाल पहुंचे आचार्य समय सागर महाराज ससंघ का आज श्रद्धा और भक्ति के माहौल में स्वागत हुआ। नागपुर से पदविहार करते हुए आचार्यश्री 20 मुनिराजों के साथ भोपाल की सीमा में प्रवेश कर 11 मील स्थित विद्योदय तीर्थ पहुंचे। यहां उनके सान्निध्य में नवीन जिनालय का शिलान्यास एवं आचार्य विद्यासागर वाटिका का लोकार्पण किया गया।

अब रविवार को नारायण नगर से विद्योदय तीर्थ तक उनकी भव्य अगवानी शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें गुरु-शिष्यों का भावपूर्ण मिलन भी होगा। शिलान्यास का मुख्य सौभाग्य नेमीचंद-विनोद कटनेरा (आरएनजी परिवार) को प्राप्त हुआ। समारोह के दौरान आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को प्रथम आशीर्वचन देते हुए कहा कि धर्म की प्रभावना निर्मल भावनाओं से होती है। शुद्ध भाव ही जीवन और भवबंधन को समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

समिति के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि आचार्य संघ के चातुर्मास को लेकर पूरे जैन समाज में उत्साह का वातावरण है। भोपाल की सीमा में प्रवेश के साथ ही श्रद्धालुओं ने जयघोष और भक्ति के माहौल में आचार्य श्री का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि रविवार को आचार्य समय सागर महाराज ससंघ की भव्य अगवानी शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा नारायण नगर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने स्थित विद्योदय तीर्थ पहुंचेगी, जहां गुरु-शिष्यों का भावपूर्ण मिलन होगा। आचार्य श्री की अगवानी उनके शिष्य मुनि निर्णय सागर महाराज, निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज तथा मुनि विश्रुत सागर महाराज ससंघ करेंगे।

शोभायात्रा में शामिल होंगी झांकियां :

शोभायात्रा में शहर की विभिन्न जैन मंदिर समितियां, महिला मंडल, पाठशाला परिवार, सामाजिक संगठन एवं युवा समूह शामिल होंगे। इसके साथ ही जीव दया, गो-सेवा, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति का संदेश देती आकर्षक झांकियां भी शोभायात्रा का हिस्सा रहेंगी। आयोजन को लेकर समाज के विभिन्न संगठनों ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

टीकमगढ़ में जनसैलाब के बीच सीएम का भव्य रोड शो

टीकमगढ़ की सड़कों पर उत्साह, विश्वास और जनसमर्थन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रोड शो के दौरान नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। जगह-जगह लोगों ने फूलों की वर्षा के साथ उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर जनता का आभार व्यक्त किया और प्रदेश के विकास, जनकल्याण तथा सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विधानसभा में लग रहीं पंडित नेहरू मुखर्जी, अटल, सुभाषजी की तस्वीरें

ढाई साल पहले सदन से प्रथम प्रधानमंत्री की तस्वीर हटाकर लगाई गई थी अंबेडकर की फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस सत्र में एक तरफ जहां सरकार यूसीसी बिल लाने की तैयारी में है दूसरी तरफ इस सत्र के पहले विधानसभा परिसर में विशेष तैयारियां की जा रहीं हैं। इस बार विधानसभा के अंदर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, जनसंघ के संस्थापक पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेई और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीरें लगाई जा रहीं हैं।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में एक तरफ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर लगाई गई है। उनके बगल में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की तस्वीर लगाई गई है। दूसरे तरफ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और उनके समीप नेता जी सुभाष चंद्र बोस की फोटो लगाई गई है।

ढाई साल पहले सदन से हटी थी नेहरू की तस्वीर करीब ढाई साल पहले दिसंबर 2023 में विधानसभा के सदन के भीतर स्पीकर के बाएं तरफ लगी पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर को हटाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर की फोटो लगाई गई थी। नेहरू की तस्वीर हटाए जाने पर कांग्रेसियों ने भारी विरोध किया था। परिसर की हो रही सजावट मानसून सत्र के पहले विधानसभा भवन की साफ-सफाई से लेकर विशेष साज-सज्जा की जा रही है। विधानसभा भवन में लगी लोकार्पण शिला पट्टिकाओं पर रंग-रोगन किया जा रहा है।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती

दस्तावेज अपलोड और सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है। अभ्यर्थियों को 18 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 19 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

समय-सीमा चूके तो चयन प्रक्रिया से बाहर

विभाग ने अभ्यर्थियों को स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा में प्रोफाइल पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, जिला चयन और पोर्टल शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में उनकी नियुक्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालयों के लोकार्पण कार्यक्रम से सीएम का बड़ा ऐलान

मानसून सत्र में यूसीसी, रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को मिलेंगे 1500 रुपए

भोपाल/कटनी, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी जिले के स्लीमनाबाद में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा, सिंचाई, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और लाड़ली बहना योजना को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने झिंझरी और बहोरीबंद में करोड़ों रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के सांदीपनि विद्यालय आज सरकारी शिक्षा की नई पहचान बन रहे हैं, जहां बेहतर सुविधाओं के कारण निजी स्कूलों के विद्यार्थी भी प्रवेश ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति सभी के प्रति मैत्री, समरसता और कल्याण का संदेश देती है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता सामाजिक समानता का प्रतीक है, जबकि भगवान श्रीकृष्ण का उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करना ज्ञान और गुरु परंपरा के महत्व को दर्शाता है। इसी भावना के साथ प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं से युक्त सांदीपनि विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें और साइकिलें उपलब्ध करा रही है। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए जा रहे हैं, जबकि स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्कूटी देकर सम्मानित किया जाता है। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष प्रदेशभर में गुरुपूर्णिमा महोत्सव भी विशेष रूप से मनाया जाएगा।

74 करोड़ से बने दो आधुनिक सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री ने झिंझरी और बहोरीबंद में बने दो सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण किया। झिंझरी विद्यालय का निर्माण 38.61 करोड़ रुपये तथा बहोरीबंद विद्यालय का निर्माण 35.63 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में गुरुकुल की सांस्कृतिक परंपरा और आधुनिक डिजिटल शिक्षा का बेहतर समन्वय देखने को मिलेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 1400 करोड़ रुपये की लागत वाली स्लीमनाबाद टनल परियोजना प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं में शामिल है। इसके पूरा होने से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी सहित कई जिलों में सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

कैबिनेट बैठक में यूसीसी ड्राफ्ट को मिलेगी मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार एक देश, एक विधान और एक कानून की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने घोषणा की कि विधानसभा के आगामी वर्षाकालीन सत्र में मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पहले भोपाल के समीप स्थित जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की विशेष बैठक आयोजित कर यूसीसी के प्रारूप को मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक पहचान वाले जगदीशपुर से इस महत्वपूर्ण निर्णय की शुरुआत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर योजना की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1500 रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार नई पहल कर रही है।

जनगणना में खुलेगी प्रॉपर्टी टैक्स चोरी की पोल

प्रदेश के 55 लाख शहरी घरों का होगा सर्वे, नल कनेक्शन-जलकर का करेंगे सत्यापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आपका खुद का मकान है और नगर निगम आपके यहां पानी सप्लाई कर रही है... ऐसे में यदि आप नगर निकाय को प्रॉपर्टी टैक्स और वॉटर टैक्स नहीं दे रहे हैं, आपका नाम की अब लिस्ट तैयार हो रही है। दरअसल, प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में प्रॉपर्टी टैक्स और जलकर की चोरी पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। फरवरी 2027 में होने वाली जनगणना के दौरान प्रगणकों (एन्यूमरेटर) से विशेष सर्वे कराया जाएगा, जिसके जरिए यह पता लगाया जाएगा कि किन मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर टैक्स लागू होने के बावजूद कर जमा नहीं किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों, नगरपालिका और नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) को तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए हैं। विभाग के मुताबिक, प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में फिलहाल करीब 55 लाख घर हैं और इस सर्वे के माध्यम से नए बने मकानों का रिकॉर्ड भी अपडेट किया जाएगा।

सरकार जनगणना सर्वे में संपत्ति कर और जलकर से जुड़े दो अतिरिक्त कॉलम शामिल कराने का प्रस्ताव रखेगी। प्रगणक प्रत्येक मकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान का भौतिक सत्यापन करेंगे। इससे भवन की वर्तमान स्थिति, उपयोग और स्वामित्व संबंधी जानकारी अपडेट होगी।

नगरीय निकाय के रिकार्ड से होगा मिलान

सर्वे के दौरान यह भी जांच होगी कि किसी भवन में नगर निकाय का जल कनेक्शन है या नहीं, वह चालू है या बंद, और मीटर की क्या स्थिति है। प्रगणक संपत्ति कर और जलकर की आईडी भी पूछेंगे, ताकि नगर निकाय के रिकॉर्ड से उसका मिलान किया जा सके।

विभाग ने सभी भवनों के लिए यूनिक प्रॉपर्टी आईडी तय करने और GIS आधारित रिकॉर्ड को अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। सत्यापन के बाद पूरी जानकारी ई-नगरपालिका पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपलोड की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस अभियान से बिना पंजीकृत संपत्तियों की पहचान होगी, जिससे प्रॉपर्टी टैक्स और जल उपभोक्ता शुल्क का रिकॉर्ड वास्तविक स्थिति के अनुरूप हो सकेगा। साथ ही भविष्य में टैक्स निर्धारण, जल बिल जारी करने और नागरिक सेवाओं के बेहतर प्रबंधन में सुविधा मिलेगी तथा नगर निकायों के राजस्व में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है।

निजीकरण के विरोध में 20 जुलाई से डाक कर्मियों का आंदोलन;

बोले- टारगेट के नाम पर शोषण बंद हो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डाक विभाग के निजीकरण, कर्मचारियों पर बढ़ते व्यावसायिक टारगेट के दबाव और विभागीय नीतियों के विरोध में भारतीय डाक कर्मचारी संघ (ग्रुप-सी), मध्यप्रदेश परिमंडल ने आंदोलन का एलान किया है।

संघ का कहना है कि कर्मचारियों से उनके मूल कार्य के बजाय बैंक खाते, बीमा और अन्य योजनाओं के लक्ष्य पूरे कराने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे मानसिक और आर्थिक शोषण हो रहा है। यदि सरकार और विभाग ने मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया तो 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। परिमंडल सचिव रवि कुमार साहू ने बताया कि संघ चार चरण में आंदोलन करेगा। पहले चरण में 20 से

27 जुलाई तक प्रदेश के सभी डाकघरों और रेल डाक सेवा (आरएमएस) कार्यालयों में कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे और विरोध दर्ज कराएंगे। 28 जुलाई को दोपहर बाद सभी मंडलीय कार्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद पांच अगस्त को मप्र परिमंडल में एक दिन की सांकेतिक हड़ताल होगी। यदि इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 18 अगस्त से प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

संघ की प्रमुख मांगें

- डाक की ढुलाई सड़क मार्ग (आरटीएन) के बजाय फिर से रेलवे के माध्यम से कराई जाए, ताकि आरएमएस व्यवस्था मजबूत हो और सरकारी धन निजी आपरेटरों के बजाय रेलवे को मिले।
- मेल मोटर सेवा (एमएमएस) सहित सभी खाली पद भरे जाएं, लंबित कैडर पुनर्गठन पूरा किया जाए तथा पोस्टल अकाउंट के विकेंद्रीकरण पर रोक लगाई जाए।
- डाक विभाग में बढ़ रहे भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा यूनियन से इस विषय पर चर्चा की जाए।
- पूर्व सैनिक कोटे से भर्ती कर्मचारियों की वेतन संबंधी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए।

राज्य सरकार ने लागू की सख्त कॉस्ट कटिंग नीति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश में वित्तीय प्रबंधन और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता को लेकर राज्य सरकारें अब बेहद सख्त रुख अपना रही हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 और आगामी वर्ष 2027-28 के बजट आवंटन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है।

फिजूलखर्ची पर पूरी तरह लगाम लगाते हुए कई तरह की गतिविधियों और खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासनिक स्तर पर इस कदम को कड़े वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता के रूप में देखा जा रहा है। यह नियम सभी सरकारी विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा।

शिक्षकों की पदोन्नति पर नया विवाद

टीईटी पास को ही मिलेगा प्रमोशन, विभाग ने जानकारी मांगी, शिक्षकों ने कहा-इसे स्पष्ट करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर पहले से ही नौकरी संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे मध्य प्रदेश के शिक्षकों के सामने अब पदोन्नति को लेकर भी नई आशंका खड़ी हो गई है। संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण भोपाल के एक पत्र के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि अब केवल टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों को ही पदोन्नति दी जाएगी। पत्र सामने आने के बाद प्रदेशभर के शिक्षकों में भ्रम और नाराजगी का माहौल है। शिक्षक संगठनों ने विभाग से तत्काल स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार आयुक्त लोक शिक्षण की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल ने मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत पदोन्नति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए भोपाल संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक जानकारी भेजने के निर्देश दिए हैं। पत्र में सभी जिलों से कार्यरत सहायक शिक्षक और प्राथमिक शिक्षक, जो टीईटी उत्तीर्ण हैं, उनकी विस्तृत जानकारी मांगी गई है। इसके साथ ही विषयवार और संवर्गवार (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सहित) रिक्त पदों का विवरण भी तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया है।

भ्रम की स्थिति में शिक्षक

पत्र सामने आने के बाद शिक्षकों के बीच यह आशंका बढ़ गई है कि कहीं पदोन्नति के लिए भी टीईटी को अनिवार्य शर्त तो नहीं बनाया जा रहा। विभिन्न जिलों और विकासखंडों में अलग-अलग प्रकार की जानकारी मांगे जाने से भ्रम की स्थिति और गहरा गई है। शासकीय शिक्षक संगठन ने विभाग से इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि नए शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में टीईटी से जुड़ी किसी शर्त को आधार बनाया जा रहा है, तो विभाग यह स्पष्ट करे कि उसका विधिक और प्रशासनिक आधार क्या है तथा यह किन-किन शिक्षक संवर्गों पर लागू होगा।

दतिया उपचुनाव के बाद कांग्रेस का जोर होगा नगरीय निकाय पर

पंचायतों में 10 हजार प्रत्याशी होंगे चिन्हित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में वर्ष 2027 से चुनाव का सिलसिला प्रारंभ हो जाएगा। मई-जून में नगरीय निकाय और इसके साथ-साथ पंचायतों के चुनाव होंगे। कांग्रेस नगर निगम और नगर पालिका के चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक कर चुकी है। दतिया उपचुनाव के बाद नगर परिषद के साथ जिला और जनपद पंचायतों चुनाव के लिए लगभग 10 हजार प्रत्याशी चिह्नित करने का काम प्रारंभ किया जाएगा।

वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को कई स्थानों पर प्रत्याशी नहीं मिले थे, जिसके कारण भाजपा के अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। कुछ स्थानों पर टिकट मिलने के बाद कांग्रेस प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिया तो कुछ ने दलबदल कर लिया।

इस बार ऐसी कोई स्थिति न बने, इसके लिए पार्टी अभी से तैयारी कर रही है। सभी निकायों के पदाधिकारियों से कहा गया है कि एक स्थान के लिए कम से कम दो नाम रखें। डमी प्रत्याशी प्रत्येक सीट के लिए होना चाहिए ताकि कोई गड़बड़ी हो तो विकल्प पार्टी के पास उपलब्ध रहे।

मेट्रो एंकर

उज्जैन की बिजली लाइनों का दमदार प्रदर्शन

1500 दिन तक नहीं आया एक भी ब्रेकडाउन, मिली मजबूती

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की उज्जैन स्थित 10 महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने लगातार करीब 1500 दिनों तक बिना किसी ब्रेकडाउन के बिजली का निर्बाध पारेषण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। तेज आंधी, भारी बारिश, आकाशीय बिजली और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद इन लाइनों का संचालन पूरी क्षमता और विश्वसनीयता के साथ जारी रहा।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि उज्जैन क्षेत्र की इन ट्रांसमिशन लाइनों की सफलता प्रदेश की मजबूत बिजली व्यवस्था का प्रमाण है। इनमें 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-इंदौर के दो सर्किट, 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-आष्टा के दो सर्किट, 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-नलखेड़ा के दो सर्किट, 132 केवी उज्जैन (ताजपुर)-उद्योगपुरी के दो सर्किट, 132 केवी ज्योतिनगर-शंकरपुरा और 132 केवी ज्योतिनगर-उज्जैन (ताजपुर) लाइन शामिल हैं। इन सभी लाइनों ने लगातार चार वर्षों तक बिना किसी तकनीकी बाधा के बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखा। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों और अनुरक्षण कार्य में लगे कर्मियों की मेहनत और सतर्कता का परिणाम है।

प्रदेश की 593 लाइनों ने भी बनाया रिकॉर्ड

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि केवल उज्जैन की 10 लाइनें ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में एमपी ट्रांसको की कुल 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी पिछले चार वर्षों से बिना ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। इससे प्रदेश की बिजली पारेषण प्रणाली की मजबूती और बेहतर प्रबंधन का पता चलता है। उन्होंने कहा कि बिजली नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए लगातार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके चलते बिजली आपूर्ति व्यवस्था पहले से अधिक सुरक्षित और मजबूत हुई है। प्रदेश में ट्रांसमिशन लाइनों की निगरानी के लिए थर्मो-विजन निरीक्षण, ड्रोन सर्विलांस, एससीएडीए आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग और ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा नियमित लाइन पेट्रोलिंग, मानसून से पहले रखरखाव, लाइन कॉरिडोर प्रबंधन और उपकरणों की जांच जैसे कार्य लगातार किए जाते हैं। संभावित तकनीकी खराबियों की समय रहते पहचान कर उन्हें दूर किया जाता है, जिससे बड़े ब्रेकडाउन की स्थिति बनने से पहले ही रोकथाम हो जाती है।

अदृश्य जलसंकट

पानी की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि वह दिखाई देता है, बहता है और जीवन देता है। लेकिन आज सबसे बड़ा संकट उस पानी पर है, जिसे हम देख नहीं सकते। धरती की गहराइयों में सदियों से सुरक्षित माना जाने वाला भूजल अब चुपचाप जहर में बदल रहा है। यह ऐसा खतरा है, जो न बाढ़ की तरह शोर मचाता है और न सूखे की तरह तुरंत दिखाई देता है, लेकिन इसकी मार कहीं अधिक गहरी और लंबी है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की हालिया रिपोर्ट ने इस अदृश्य त्रासदी को आंकड़ों की भाषा में सामने रख दिया है। देशभर से लिए गए लगभग 28 प्रतिशत भूजल नमूने सुरक्षित मानकों से बाहर पाए गए हैं। यह केवल एक रिपोर्ट नहीं, बल्कि भविष्य की भयावह तस्वीर है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह संकट किसी एक प्रदेश या नदी घाटी तक सीमित नहीं रहा। उत्तर-पश्चिम के मैदानी इलाकों से लेकर दक्षिण के पठारी क्षेत्रों तक भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड, नाइट्रेट, यूरेनियम और जहरीले कीटनाशकों की मौजूदगी दर्ज की गई है।

इसका अर्थ साफ है-हमारी धरती की कोख, जो कभी जीवन का सबसे सुरक्षित भंडार थी, अब धीरे-धीरे विष का स्रोत बनती जा रही है। विडंबना यह है कि इस त्रासदी का बड़ा हिस्सा हमने स्वयं रचा है। अधिक उत्पादन की होड़ में खेतों पर हर वर्ष रसायनों की परतें बिछाई गईं, भूजल को असीमित संसाधन मानकर बोरवेल धरती की गहराइयों तक उतारे गए और उद्योगों ने अपशिष्ट निपटान का सबसे आसान रास्ता जमीन को बना लिया। परिणाम यह हुआ कि बारिश के साथ बहते रसायन मिट्टी की परतों को पार करते हुए सीधे उन जलभृतों तक पहुंच गए, जिन पर करोड़ों लोगों की प्यास निर्भर है। एक बार जो जहर इन जलभृतों में घुल गया, उसे बाहर निकालने की कोई व्यावहारिक तकनीक आज दुनिया के पास भी नहीं है। इस संकट के बीच एक और भ्रम तेजी से फैलाया गया है कि घरों में लगे आरओ सिस्टम सब कुछ ठीक कर देंगे। सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। आरओ सीमित स्तर पर पानी को छान सकता है, लेकिन वह भूजल को प्रदूषण से मुक्त नहीं कर सकता। उलटे वह आवश्यक खनिजों को भी खत्म कर देता है और हर लीटर शुद्ध पानी के लिए कई लीटर पानी व्यर्थ बहा देता है। यानी यह व्यक्तिगत सुविधा तो दे सकता है, सामूहिक समाधान नहीं। अब सवाल यह नहीं कि भूजल दूषित क्यों हुआ, बल्कि यह है कि इसे और जहरीला होने से कैसे रोका जाए।

किसान और गांव को आत्मनिर्भर बनाने की भारत में लगातार बढ़ती चुनौती

मनोज कुमार मिश्र
स्तंभकार

अस्सी के दशक के आखिर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का कम पढ़े-लिखे और खांटी किसान चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की अगुवाई में भारतीय किसान यूनियन के नाम से अराजनैतिक एक ऐसा आंदोलन खड़ा हुआ जिससे लखनऊ और दिल्ली की सरकारें हिल गई। विभिन्न कारणों से वह आंदोलन कुछ सालों में कमजोर होकर दम तोड़ दिया। जिन सवालों पर वह आंदोलन शुरु हुआ और उसे भारी समर्थन मिला, वे सवाल आज भी वहीं खड़े हैं। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने अपने शासन के 12 साल में समाज के हर वर्ग के साथ गांव और किसान को आत्मनिर्भर बनाने के हर प्रयास किए हैं। किसान हित में 2021 में तैयार किए तीन कानून विपक्ष के सुनियोजित विरोध के चलते भारी बहुमत होते हुए किसान हित में वापस लिया। इतना ही नहीं हर साल इसमें नई योजनाओं को शामिल करके और बेहतर काम किए जा रहे हैं। चौधरी टिकैत अपने आंदोलन को अराजनैतिक मानते हुए भी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को अपना आदर्श मानते थे। आंदोलन के दौरान कुछ बातें दोहराते रहते थे। उसका उल्लेख जरूरी है। वे कहते थे कि किसान अकेली ऐसी कौम है जो ज्यादा उत्पादन करके भी रोती है और कम उत्पादन करके भी। कम उत्पादन में लागत नहीं निकली और ज्यादा उत्पादन में सही दाम नहीं मिलता। उसी तरह हर उत्पादन करने वाला अपने उत्पाद का दाम खुद तय करता है लेकिन किसान के दाम को वे तय करते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी खेती की नहीं। वे चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्री रहते यानी 1967 में जितने गेहूं या गन्ना में जितना सोना मिलता था, उससे थोड़ा कम दाम तय करने की मांग करते रहे।

किसानों की माली हालत सुधारने का यह एक फार्मूला तो यह हो सकता है लेकिन पूरा समाधान इससे भी नहीं हो सकता है। अब हालात बदल गए हैं। सरकार ने गांवों को समृध बनाने के लिए देश के सालाना बजट में भारी बढ़ोतरी की। 2014 में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार केन्द्र में आने से पहले कृषि का बजट 27,663 करोड़ रुपये था, अब वह बढ़कर 1 लाख 40 हजार करोड़ हो चुका है। आज भी देश के 81 करोड़ लोगों को हर महीने फ्री अनाज दिया जा रहा है। सरकार के प्रयास से 58 करोड़ जन-धन खाता खुला है। चार करोड़ पक्के मकान बने। 12 करोड़ शौचालय बने। 16 करोड़ घरों में नल से जल दिया गया। 11 करोड़ लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। किसान सम्मान निधि के तहत 4.3 लाख करोड़ रुपये दिए गए। 22 फसलों के समर्थन मूल्य में 71 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना(मनरेगा) अब वीबी जीरामजी योजना बन गई है। उस योजना में 26 करोड़ लोग पंजीकृत हैं, जिन्हें 125 दिन का रोजगार दिया जाता है। हर तरह के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। यूरिया पर 90 फीसदी सब्सिडी दी गई है। फसल बीमा योजना लागू की गई है। किसानों को आसानी से कर्ज दिलवाने की व्यवस्था की गई हैं। सिंचाई के साधन बढ़े हैं। किसानों और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं की लंबी सूची है।

बावजूद इसके ने तो निचले स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार कम हुआ और न ही गांवों से पलायन रुका। सरकार ने लाभार्थियों का बैंक खाता खुलवाकर सीधे पैसा उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया तो भ्रष्टाचार करने वाले बाहर से ही सौदेबाजी करने लगे। एक ही शौचालय के साथ अनेक फोटो खिंचवाकर कमीशन देकर भुगतान पाने लगे। इस भ्रष्टाचार के चलते बिना रिश्वत कम ही आवास बने और दूसरी सुविधाएं लोगों को दी गई। मनरेगा का भ्रष्टाचार तो पहले से ही जग जाहिर है। भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) की सरकार के प्रयास से भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है, उसमें कमी आई है। इन सभी से बड़ी समस्या बार-बार मानसून का धोखा देना और फसल की सरकार से सही मायने में खरीद की गारंटी न मिलना है। इस बार फिर बरसात दगा दे रही है। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि में कम बरसात होने से धान की रोपाई देरी से हो रही है। इतना ही नहीं वही किसान रोपाई कर पा रहे हैं, जो सक्षम हैं। यानी जिनके परिवार का कोई और व्यवसाय है या परिवार में कोई नौकरी पेशा है। कम बरसात से दलहन और कपास की खेती पर भी असर पड़ा है। यही हाल सब्जियों का है।

विपक्ष के सुनियोजित किसान आंदोलन जिन तीन कृषि कानूनों को खत्म करवाने के लिए शुरू किया गया था उनमें एक कानून मंडियों के बाहर भी उपज बेचने की इजाजत देने से था। दूसरा कानून किसानों को सहकारी खेती की अनुमति देने वाला और तीसरे में अनिवार्य फसलों पर से रोक हटाने का था (1.कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य(संवर्धन व सरलीकरण) कानून-2020,2. कृषक(सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर कानून-2020 और 3. आवश्यक वस्तु(संशोधन) कानून-2020)। सरकार यह समझाती रही कि इन बिलों से किसानों को केवल लाभ ही होगा। उनकी जमीन कोई नहीं ले सकता और मंडियां खत्म नहीं की जाएगी। फसलों को खुले में बेचने की इजाजत दी जाएगी। देश में मंडी और उसमें सक्रिय आढ़तियों की व्यवस्था पंजाब और हरियाणा में ही सबसे मजबूत है। पंजाब से ही कुछ किसानों का जत्था दिल्ली की एक सीमा सिंधु बार्डर पर इन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए आंदोलन शुरू किया। उनके साथ हरियाणा के किसान भी जुड़े। फिर टिकरी बार्डर और गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन चलने लगा। कुछ ही दिनों में आंदोलन सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों का सुनियोजित षड़यंत्र बन गया।

सही मायने में सभी किसानों की आर्थिक हालत तभी सुधरेगी जब सरकार चौतरफा प्रयास करेगी। सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का उपाय कर रही है लेकिन उसका पूरा लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बैंकों से सस्ते दर पर कर्ज मिलने की व्यवस्था, कृषि उत्पाद को देश के विभिन्न इलाकों में पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ी चलाने आदि तमाम ऐसी योजनाएं हैं जिससे छोटे किसानों को काफी मदद मिल रही है। सबसे बड़ी समस्या इन योजनाओं का हर जरूरतमंद तक पहुंचाने और कृषि क्षेत्र में उन प्रयासों को करने से है जिससे किसानों की आमदनी बढ़े। कृषि उत्पाद से जुड़े लाभकारी उद्योगों को गांव-गांव तक पहुंचाने की है। सरकार प्रयास तो कर रही है लेकिन यह काम बड़ा ही चुनौतीपूर्ण है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस

मानवता, संवेदना और साहस के साथ रंगभेद की जंजीर तोड़ने वाला अमर योद्धा

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

नेल्सन मंडेला- एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को 'नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्वेजो नामक गांव में हुआ था। वे थेम्बू कुल की एक शाखा मदिवा जनजाति से थे और उनका मूल नाम 'रोहिलाहला मंडेला' था, जिसका अर्थ होता है शरारती। उन्हें 'नेल्सन' नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों की परंपरा के तहत दिया। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया।

नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरुआत क्लार्कबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटरस्रैंड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा 'अपरथाइड' नामक नस्लीय भेदभाव की क्रूर नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था। मंडेला ने इन्हीं नीतियों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़ गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिये उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने 'उमखोंतो वे सिजवे' नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था।

1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कुख्यात रोबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की लंबी यातना बन गई परंतु जेल की कोठरी में रहते हुए भी मंडेला की आत्मा आजाद रही। वे न टूटे, न झुके और न डरे। जेल में उन्होंने पढ़ाई की, दूसरे कैदियों को शिक्षित किया और अपना संघर्ष जारी रखा। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका और दुनियाभर में मंडेला की रिहाई की मांग उठने लगी। अंततः सरकार झुकी और 11 फरवरी 1990 को नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा किया गया। यह क्षण इतिहास में आज भी जीवंत है, जब एक अश्वेत नेता, जिसे वर्षों तक आतंकवादी करार दिया गया था, अब स्वतंत्रता और न्याय का प्रतीक बन चुका था। रिहाई के बाद मंडेला ने अपने सभी विरोधियों को माफ कर दिया। उन्होंने न केवल अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को फिर से संगठित किया बल्कि देश को भी एकजुट किया। उन्होंने विभाजन नहीं बल्कि मेल-मिलाप की राजनीति की। उनकी इसी दूरदृष्टि और अहिंसा के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा ने दक्षिण अफ्रीका को नस्लीय संघर्ष से निकालकर लोकतंत्र की ओर अग्रसर किया।

दक्षिण अफ्रीका में 1994 में पहली बार बहुजातीय आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिला और परिणामस्वरूप नेल्सन मंडेला देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। यह महज एक राजनीतिक जीत नहीं थी, यह एक युग परिवर्तन था। मंडेला ने अपने राष्ट्रपतिकाल में सुलह, सामाजिक समरसता और आर्थिक पुनर्निर्माण की नीति को अपनाया। उन्होंने जातीय द्वेष के बजाय सहयोग को बढ़ावा दिया। उन्होंने 'सत्य और मेलमिलाप आयोग' की स्थापना की, जहां पीड़ित और अपराधियों दोनों को एक साथ लाया गया ताकि सच्चाई सामने आ सके और समाज नई शुरुआत कर सके। नेल्सन मंडेला की सोच 'उबुन्टु' दर्शन से प्रभावित थी, जो अफ्रीकी संस्कृति में मानवीय संबंधों और सह-अस्तित्व की भावना को महत्व देती है। मंडेला ने यह दिखा दिया कि बदले की भावना से कोई देश नहीं बनता बल्कि माफी और मेल-मिलाप की भावना से स्थायी शांति संभव है।

नेल्सन मंडेला का जीवन उन लोगों के लिए आदर्श है, जो दुनिया को बेहतर बनाना चाहते हैं। उनका जीवन संघर्षों का था लेकिन उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने दिखाया कि किसी भी अन्याय के खिलाफ लड़ाई अहिंसा और नैतिक साहस से भी लड़ी जा सकती है। नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'मैंने पाया कि साहस डर की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि उस पर विजय पाना है। बहादुर वह नहीं होता, जो डरता नहीं है बल्कि वह होता है, जो डर को हराता है।' यह कथन आज के विश्व पर भी उतना ही लागू होता है, जितना उनके समय पर था। आज जब दुनिया असहिष्णुता, नस्लवाद, असमानता और युद्ध की चपेट में है, तब मंडेला जैसे नेताओं की सोच, दृष्टि और प्रेरणा पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है। वे हमारे समय के ऐसे प्रेरणास्तंभ हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाते रहेंगे कि अंधकार चाहे जितना भी गहरा क्यों न हो, एक मोमबत्ती उसे चीर सकती है। उनकी यह बात हमारे लिए मार्गदर्शक हो सकती है, 'एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा एक विजयी संयोजन होता है।' इसलिए यदि हम आज भी दुनिया को बदलना चाहते हैं तो हमें अपने भीतर की मानवता, संवेदना और साहस को जगाना होगा, यही नेल्सन मंडेला को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

झुकने पर बार-बार होने वाला पेट दर्द हो सकता है हर्निया का लक्षण

हर्निया तब होता है जब पेट या शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी आने के कारण अंदर का कोई अंग या फैटी टिश्यू बाहर की ओर उभरने लगता है। यह समस्या अधिक वजन, लंबे समय तक भारी सामान उठाने, ज्यादा दिनों से खांसी होने, कब्ज या उम्र बढ़ने के कारण हो सकती है। कई लोग शुरुआती सूजन को सामान्य मानकर महीनों या वर्षों तक इलाज नहीं करवाते। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार हर्निया अपने आप ठीक नहीं होता और न ही दवाओं से स्थायी रूप से खत्म किया जा सकता है। इसका एकमात्र प्रभावी इलाज सर्जरी है।

अमेरिका कॉलेज ऑफ सर्जन के अनुसार अगर किसी व्यक्ति को पेट, कमर या जांघ पर निकले उभार की सूजन बीते कुछ दिनों में बढ़ती दिखाई दे, तो यह मांसपेशियों की कमजोरी के बढ़ने का संकेत हो सकती है। हर्निया का बढ़ना भविष्य में सर्जरी को जटिल बना सकता है। हर्निया का आकार जितना अधिक बढ़ा होता है उसके आसपास की मांसपेशियां और टिशू भी उतने अधिक प्रभावित होते है, जिससे रिकवरी में भी अधिक समय लग सकता है। यही वजह है कि हर्निया का आकार बढ़ने का इंतजार करने की बजाय पहले चरण में ही इसका इलाज करना अधिक सुरक्षित माना जाता है।

मैयोक्लीनिक के अनुसार शुरुआत में हर्निया होने पर कई लोगों को दर्द महसूस नहीं होता है। लेकिन, कुछ समय के बाद व्यक्ति को चलने, झुकने, खांसने, वजन उठाने और लंबे समय तक खड़े रहने में दर्द महसूस होने लगता है। लगातार दर्द होने से पता चलता है कि प्रभावित हिस्से की मांसपेशियां कमजोर हो रही है। इसमें व्यक्ति को अचानक सूजन के साथ लालिमा, उल्टी और बुखार आने आदि लक्षण महसूस हो सकते हैं, जो मेडिकल इमरजेंसी की ओर संकेत होता है। क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार यदि हर्निया के साथ अचानक तेज दर्द, सूजन में लालिमा, उल्टी, गैस या मल पास न होना और पेट फूलने जैसी समस्या हो तो यह स्ह्लह्ड्ठ्द्दह्यड्डह्लद्गस्र ॥द्दह्ठ्ठ्द्बड्ड हो सकता है। इस स्थिति में फंसी हुई आंत तक रक्त पहुंचना बंद हो सकता है, जिससे टिशू नष्ट होने का खतरा रहता है। यह मेडिकल इमरजेंसी है और तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए। ऐसे मामलों में देरी जानलेवा भी साबित हो सकती है। आजकल अधिकांश हर्निया सर्जरी ओपन या लैप्रोस्कोपिक तकनीक से की जाती है। कई मरीज उसी दिन या अगले दिन घर जा सकते हैं। हल्की गतिविधियां कुछ दिनों में शुरू की जा सकती हैं, जबकि भारी वजन उठाने से कुछ सप्ताह तक बचने की सलाह दी जाती है।

निशाना

रूबरू मिलें न मिलें..!

अशेष श्रीवास्तव

रूबरू मिलें न मिलें, कोई बात नहीं
दिलों में दूरियाँ मगर नहीं आनी चाहिये
मतभेद अपनों में हो, कोई बात नहीं
मनभेद अपनों से मगर नहीं होना चाहिये
दिलों में प्यार ना हो, कोई बात नहीं
दिलों में नफरत मगर नहीं होना चाहिये
किसी को मान ना दें कोई बात नहीं..
किसी का अपमान मगर नहीं करना चाहिये
आप सही हों ग़लत हों कोई बात नहीं
बात जब अपनों की हो तो हार जाना चाहिये
कितनी ही कहा सुनी हुई हो कोई बात नहीं
कभी सामना हो तो आगे बढ़ मुसकुराना चाहिये
किसी भी धर्म, जाति, भाषा के हों कोई बात नहीं
बात जब देश की हो तो भेद-भाव भूल जाना चाहिये।

टेक्नो अलर्ट

पर्सनल ईमेल पढ़ रहा है AI, आसान स्टेप्स से सुरक्षित कर सकते हैं अपना अकाउंट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से ईमेल लिखना और उन्हें मैनेज करना जितना आसान हुआ है, उतना ही आपका पर्सनल डेटा पर खतरा भी बढ़ गया है। क्या आप जानते हैं कि जीमेल के 'स्मार्ट फीचर्स' के नाम पर गूगल का AI Assistant आपके सीक्रेट ईमेल्स, जरूरी अटैचमेंट्स को लगातार स्कैन यानी पढ़ रहा है। आप सेटिंग में जाकर इस फीचर को बंद कर सकते हैं।

आज के डिजिटल युग में हम सभी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल कामों के लिए Gmail का इस्तेमाल करते हैं। इनका गलत हाथों में पड़ जाने से आपकी भारी नुकसान हो सकता है। अब एआई के कारण लोगों के लिए मेल लिखना तो आसान हो गया है, लेकिन क्या आपको पता है कि एआई ही आपके जीमेल के लिए खतरा भी हो सकता है। इससे बचने के लिए अपने कंप्यूटर या डेस्कटॉप पर जीमेल ओपन करें। फिर अपने जीमेल अकाउंट की सेटिंग्स पर क्लिक कर दें।

इसके बाद आपको 'See all settings' का ऑरप्शन दिखेगा, इस पर क्लिक करें। अब जनरल (General) टैब में नीचे स्क्रॉल करें और स्मार्ट फीचर्स और पर्सनलाइजेशन के चेकबॉक्स को अनटिक कर दें। इसके बाद पॉप-अप में इसे टर्न ऑफ कर दें। उसी पेज पर थोड़ा और नीचे जाएं और Google Workspace smart features का सेक्शन होगा। यहां Manage Workspace smart features settings पर क्लिक करें और वहां दिए गए दोनों बॉक्सेस को अनटिक करें। अब सेटिंग्स को सेव कर दें। मोबाइल यूजर्स के लिए दो बेहद जरूरी बातें बताई गई हैं, जिनका ध्यान हर यूजर को रखना चाहिए। यह सेटिंग्स हमेशा आपके कंप्यूटर और मोबाइल ऐप के बीच ऑटो-सिंक नहीं होती हैं। इसलिए, अपने स्मार्टफोन के जीमेल ऐप में भी जाकर इन सेटिंग्स को मैन्युअली चेक और ऑफ जरूर करें। जब भी आपका Gmail ऐप अपडेट होता है, तो कई बार ये सेटिंग्स वापस रीसेट हो जाती हैं। इसलिए हर बड़े ऐप अपडेट के बाद एक बार फिर अपनी सेटिंग्स को री-चेक करना ना भूलें।

अजब - गजब

भयंकर ज्वालामुखी विस्फोट से बनी चीन की खौफनाक राज वाली झील

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपने अंदर गहरे रहस्य समेटे हुए हैं। ऐसी ही एक अद्भुत जगह हेवन लेक है। यह चीन और नॉर्थ कोरिया के बॉर्डर पर मौजूद एक बेहद खूबसूरत क्रेटर लेक है। यह माउंट चांगबाईशान ज्वालामुखी के बिल्कुल टॉप पर स्थित है। यह ज्वालामुखी पिछले 26 लाख सालों में हुए कई विस्फोटों के बाद बना था। यूनेस्को के अनुसार यह नॉर्थ ईस्ट एशिया की सबसे ऊंची और बड़ी क्रेटर लेक है। मार्च में पब्लिश हुई एक स्टडी के मुताबिक, यह चीन की सबसे गहरी झील भी है। यह लेक करीब 7200 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है, इसका कुल एरिया 9.2 स्क्वायर किलोमीटर में फैला है। इस झील की अधिकतम गहराई 1224 फीट दर्ज की गई है। हेवन लेक को चीन में तियांची के नाम से जाना जाता है। यह लेक माउंट चांगबाईशान की 16 पहाड़ियों से पूरी तरह घिरी हुई है।

यह झील एक काल्डेरा में बनी है जो पुराने ज्वालामुखी विस्फोटों से बना था। इसमें सबसे बड़ा धमाका 946 ईस्वी में हुआ था। इसे 'मिलेनियम इरप्शन' कहा जाता है और यह आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े विस्फोटों में से एक है। प्रागैतिहासिक काल में तियानवेनफेंग विस्फोट के बाद इस पहाड़ की चोटी पर पानी जमा होना शुरू हुआ था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह घटना 70 हजार से 40 हजार साल पहले हुई थी। तब से हेवन लेक का पानी कई बार खाली हुआ और फिर भर गया। ऐसा बारिश और बर्फ पिघलने के कारण होता है। इसके अलावा ज्वालामुखी के नीचे एक एक्टिव जियोथर्मल सिस्टम भी मौजूद है। यह सिस्टम फॉल्ट लाइन के जरिए पानी को काफी तेजी से ऊपर धकेलता है। यूनेस्को के मुताबिक, माउंट चांगबाईशान दुनिया के सबसे अच्छे संरक्षित स्ट्रैटोवोल्केनो में से एक है। इसे 'ओपन एयर क्लासरूम' भी कहा जाता है क्योंकि यहां कई विस्फोटों के अलग-अलग चरणों की डिटेल मौजूद है। साल 1962 और 1964 में चीन और नॉर्थ कोरिया के बीच दो बॉर्डर ट्रीटी हुई थीं । इन संधियों ने ज्वालामुखी और हेवन लेक को लगभग बीच से बांट दिया था। इससे नॉर्थ कोरिया को झील का 54.5 प्रतिशत हिस्सा मिल गया था। बाद में चीन ने इस इलाके का विकास शुरू कर दिया।

न्यूज विंडो

बलाई समाज युवा विंग के जिलाध्यक्ष बने राजेन्द्र मालवीय

सीहोर। मध्यप्रदेश बलाई समाज विकास परिषद ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राजेन्द्र मालवीय को सीहोर जिला युवा विंग का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ओ.पी. मालवीय द्वारा प्रदेश सलाहकार समिति एवं प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति से की गई।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेन्द्र मालवीय ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में जिले के अधिक से अधिक युवाओं को समाज से जोड़ने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि युवा विंग के माध्यम से नशामुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाते हुए इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, सेवा और समाजहित के विभिन्न कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। मालवीय ने विश्वास दिलाया कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सांदीपनि विद्यालय की भाषण प्रतियोगिता में राहुल ने मारी बाजी

औबेदुल्लागंज। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, औबेदुल्लागंज में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रमों के क्रम में आज तीसरे दिन विद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान और जागरूकता का भाव जागृत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती चंद्रावती अतुलकर के मार्गदर्शन में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त व्याख्याता पीएस सोनी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और गुरु के महत्व, सनातन भारतीय संस्कृति एवं वर्तमान परिवेश में गुरु-शिष्य परंपरा की प्रासंगिकता पर अत्यंत प्रभावशाली एवं ओजस्वी भाषण दिए। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और उनकी वाकपटुता ने उपस्थित श्रोताओं और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का परिणाम घोषित करते हुए निर्णायक मंडल ने राहुल को प्रथम स्थान के लिए चुना, जबकि महालक्ष्मी द्वितीय और सिमरन तृतीय स्थान पर रहीं। मुख्य अतिथि पी. एस. सोनी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा है। विद्यार्थी जीवन में गुरु का मार्गदर्शन ही हमें सही दिशा प्रदान करता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सदैव ज्ञान के मार्ग पर चलने और गुरुजनों के प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा दी।

अमर चौक पर चाकूबाजी, शराब के लिए रुपए नहीं देने पर युवक पर किया हमला

नर्मदापुरम। इटारसी के बाद अब जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में भी चाकूबाजी की घटना ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीती रात शहर के व्यस्त अमर चौक पर, कोतवाली थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने देर रात मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जुमेराती निवासी अरमान खान, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं, बीती रात करीब 9 बजे अपने दोस्त अल्फेज के साथ राजू टी स्टॉल पर चाय पी रहे थे। इसी दौरान फूटा कुआं निवासी शेख इमरान उर्फ रानू वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए एक हजार रुपए मांगने लगा। अरमान द्वारा रुपए देने से इनकार करने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने जेब से चाकू निकालकर अरमान पर हमला कर दिया। पहला वार पेट पर और दूसरा वार बचाव के दौरान हाथ के अंगूठे पर लगा, जिससे अरमान गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी खून बहने लगा। घटना के बाद मौजूद लोगों ने घायल को पहले कोतवाली थाना पहुंचाया। वहां से पुलिस ने तत्काल जिला अस्पताल भेजकर उपचार शुरू कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। शहर के बीचोंबीच और थाना क्षेत्र के बेहद नजदीक हुई इस वारदात के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है।

शाजापुर जिले के नांदनी गांव की घटना, पुलिस पड़ताल में जुटी

गुटखे की वजह से की गई थी बालक की हत्या, बाथरूम में मिला खून से सना शव

शाजापुर। दोपहर मेट्रो

शाजापुर के कालापीपल थाना क्षेत्र के ग्राम नांदनी में 10 वर्षीय बालक की हत्या की गई है। पुलिस ने मामले में एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि गुटखा पाउच मंगाने को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी ने चाकू से बालक का गला काटकर उसकी हत्या कर दी। मृतक प्रियांश मेवाड़ा गुरुवार शाम गांव के विद्युत मंडल के खेल मैदान में खेलने गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की। कोई सुराग नहीं मिलने पर रात में कालापीपल थाने में गुमशुदगी की सूचना दी गई। पुलिस ने रातभर गांव और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन बालक का पता नहीं चला।

दोबारा शुरू की गई तलाश के दौरान गांव में स्थित एमपीईबी के खंडहरनुमा भवन के पीछे बने बाथरूम से प्रियांश का रक्तरंजित शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि प्रियांश आखिरी बार एक नाबालिग के साथ देखा गया था। सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया पुलिस के अनुसार आरोपी नाबालिग ने प्रियांश से गुटखा पाउच मंगाया था। पाउच लाने के बाद प्रियांश ने भविष्य में ऐसी चीजें लाने से मना करते हुए आरोपी को ऐसा दोबारा नहीं करने की सलाह दी। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर प्रियांश भागकर एमपीईबी के खंडहरनुमा भवन की ओर चला गया, जहां आरोपी ने उसका पीछा कर चाकू से हमला कर दिया। गले पर गंभीर वार होने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पहले सब्जी की दुकान पर काम करता था। उसने यह भी कहा कि पिता को मिली धमकी के कारण वह चाकू साथ रखता था।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाते समय परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर महिलाओं और ग्रामीणों ने करीब 20 मिनट तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। बाद में पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की समझाइश के बाद जाम समाप्त हुआ। वहीं, एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट बंकर मेंटेनेंस में अनियमितताओं के आरोप

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट बिरसिंहपुर की यूनिट क्रमांक 3/4 के बंकर में चल रहे मेंटेनेंस (रखरखाव) के कार्यों में भारी अनियमितताओं की चर्चाएं इन दिनों जोरों पर हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लाखों रुपये की लागत से हो रहे इस महत्वपूर्ण कार्य में तय मापदंडों की अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। इस पूरे मामले में स्थानीय प्रबंधन की रहस्यमयी चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में है। प्लांट के गलियारों में चर्चा है कि विभाग के एक जिम्मेदार तकनीकी अधिकारी (क्षेत्र) द्वारा कथित तौर पर अपने पसंदीदा पेटी कॉन्ट्रैक्टर को उपकृत करने के लिए नियमों को शिथिल किया गया है। आरोप है कि बंकर जैसे संवेदनशील हिस्से की मरम्मत का काम एक निजी ठेकेदार के सुपरवाइजर के भरोसे छोड़ दिया गया है। स्थानीय लोगों और सूत्रों का कहना है कि काम में महज खानापूर्ति की जा रही है, जिससे शासन के खजाने को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। इस पूरे मामले में क्षेत्र के सजग नागरिकों और सूत्रों ने जबलपुर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट के प्रबंध संचालक से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मांग की जा रही है कि एक विशेष टीम गठित कर कार्य की गुणवत्ता का सूक्ष्म मूल्यांकन कराया जाए। कार्यस्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराकर यह देखा जाए कि वर्क ऑर्डर के मापदंडों का पालन हुआ है या नहीं। इस कार्य में उपयोग किए गए मटेरियल की खरीदी, उसकी मात्रा और बचे हुए मटेरियल के स्टॉक का तथ्यात्मक मिलान किया जाए।

लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई: सरपंच से भुगतान के एवज में मांगी रिश्वत

ग्राम रोजगार सहायक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश राजगढ़ जिले का है जहां एक ग्राम रोजगार सहायक को सरपंच से रिश्वत मांगना महंगा पड़ गया। सरपंच की शिकायत पर लोकायुक्त भोपाल की टीम ने बीते दिन को ग्राम रोजगार सहायक को रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा है।

लोकायुक्त के अनुसार ग्राम पंचायत लाख्या के सरपंच बीरम सिंह ने लोकायुक्त भोपाल कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में सरपंच बीरम सिंह ने बताया कि पंचायत द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बिलों का भुगतान कराने के एवज में ग्राम रोजगार सहायक दिनेश कुमार रिश्वत की मांग करता है। प्रत्येक भुगतान पर 5 प्रतिशत कमीशन सचिव के द्वारा मांगा जा रहा है। सरपंच बीरम सिंह ने बताया कि वर्तमान में करीब तीन लाख रुपए के लंबित बिलों का भुगतान होना है और इसके एवज में ग्राम रोजगार सहायक के द्वारा 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। इतना ही नहीं पहली किस्त के तौर पर दिनेश कुमार 5 हजार रुपये ले चुका है और शेष 10 हजार रुपए देने के लिए दबाव बना रहा है।

शिकायत की पुष्टि के लिए सरपंच ने 16 जुलाई को रिश्वत मांगने की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी लोकायुक्त को उपलब्ध कराई। सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर ट्रैप की योजना बनाई। बीते दिन को सरपंच को रिश्वत के 10 हजार रुपये देने के लिए लोकायुक्त टीम ने रिश्वतखोर ग्राम रोजगार सहायक दिनेश कुमार के पास भेजा। रिश्वतखोर दिनेश कुमार ने राजगढ़ में जनपद पंचायत भवन के सामने पैसे देने के लिए सरपंच बीरम सिंह को बुलाया था। यहां जैसे ही उसने रिश्वत के रुपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सात इंच ऊपर उठी सड़क हादसों को दे रही आमंत्रण

शहडोल। दोपहर मेट्रो

विकास के वर्षों की बड़ी-बड़ी बातें उड़ती हों या लेटलतीफी का कोई विश्व रिकॉर्ड देखना हो, तो शहडोल-अमरकंटक मार्ग (एसएच-43) पर चले आइए। महज 72 किलोमीटर का यह टुकड़ा पिछले 11 सालों से कछुआ गति से बन रहा है, जो अब आम जनता के लिए किसी देश के आठवें अजूबे से कम नहीं रह गया है। साल 2015 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन अब 2026 भी बीतने को है और सड़क का काम अब तक अधूरा है। हालत यह है कि सड़क कई जगहों पर जमीन से करीब 7 इंच ऊपर उठ गई है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस पूरी परियोजना में भ्रष्टाचार और लापरवाही का कॉकटेल तैयार हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि नई बनी सड़क जमीन छोड़कर करीब 7 इंच ऊपर उठ गई है। जो सड़क वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए करोड़ों की लागत से बनाई जा रही थी, वह खुद हवा में तैरती नजर आ रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग गंभीर नहीं दिख रहे। सवाल यह उठता है कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का ध्यान क्यों नहीं रखा गया? अगर परियोजना का सबसे बड़ा घोटाला देखना हो, तो 10 किलोमीटर का यह हिस्सा काफी है। सड़क कहीं बीच से धंस रही है, कहीं ऊपर उठ गई है और कई जगहों पर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। इस मार्ग की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहां एक तरफ निर्माण कार्य जारी है, वहीं दूसरी तरफ पहले से बनी सड़कें खराब हो रही हैं। गुणवत्ताहीन सामग्री, लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी के चलते करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जनता को सुरक्षित सड़क नहीं मिल पा रही है।

डॉक्टर पति और सास-ससुर पर नवविवाहिता को फिनायल पिलाने का आरोप, पड़ताल जारी

दमोह। दोपहर मेट्रो

दमोह में एक नवविवाहिता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नवविवाहिता का आरोप है कि दहेज के लिए डॉक्टर पति व सास-ससुर उसे प्रताड़ित करते हैं और जबरदस्ती फिनायल जैसी जहरीली दवा पिलाई है। नविववाहिता ने तहसीलदार को दिए बयान में भी प्रताड़ित करने की बात बताई है। नवविवाहिता के परिजनों ने दहेज में 20 लाख की कार मांगने का आरोप भी लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

दमोह शहर की क्रिश्चियन कॉलोनी में रहने वाले नवविवाहिता 24 वर्षीय शिवानी राय को शुक्रवार को परिजन गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जबलपुर की रहने वाली शिवानी की शादी ढाई महीने पहले दमोह में रहने वाले वेटरनरी डॉक्टर मनीष राय के साथ 30 अप्रैल को हुई थी। शिवानी के मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति मनीष व सास अनीता और ससुर विशाल दहेज के लिए शिवानी को प्रताड़ित करते थे। वो दहेज में 20 लाख रुपये की कार की डिमांड कर रहे थे। शिवानी की मां ने बताया कि बीते दिन सुबह बेटी ने फोन कर उन्हें बताया था कि पति और सास-ससुर ने उसे जबरदस्ती फिनायल पिला दिया है। इसके बाद उन्होंने तुरंत दमोह में रहने वाले अपने रिश्तेदारों को सूचना दी, जिसके बाद शिवानी की मौसी का बेटा सोनू जब कॉलोनी स्थित घर पहुंचा तो शिवानी तड़पती हुई मिली और परिवार के सभी सदस्य पति मनीष, सास अनीता और ससुर विशाल घर से गायब थे। सोनू तुरंत शिवानी को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा जहां उसका इलाज चल रहा है।

मेट्रो एंकर | श्री नौलखी मंदिर में आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा का शुभारंभ

भगवान स्वयं सौंदर्य और शोभा के धाम हैं

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री नौलखी मंदिर में भगवान श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा का शुभारंभ भक्तिमय वातावरण में हुआ। कथा के प्रथम दिवस नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने भगवान श्रीजगन्नाथ के दारु-ब्रह्म स्वरूप, उनकी दिव्य महिमा एवं भक्ति के महत्व का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया।

कथा व्यास श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि भगवान स्वयं सौंदर्य और शोभा के धाम हैं। उन्हें आभूषणों या श्रृंगार की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि उनके श्रीअंगों का स्पर्श पाकर आभूषण और श्रृंगार सामग्री स्वयं धन्य एवं कृतार्थ हो जाती है। प्रभु की सेवा में अर्पित प्रत्येक वस्तु उनकी कृपा से पवित्र और सार्थक बन जाती है। उन्होंने कहा कि वेदांत में भगवान श्रीजगन्नाथ को दारु-ब्रह्म कहा गया है। काष्ठ

स्वरूप में विराजमान होकर भी वे समस्त संसार के दुखों का नाश करने वाले और जीवों को अविनाशी आनंद प्रदान करने वाले परम ब्रह्म हैं। भगवान श्रीजगन्नाथ का स्वरूप केवल दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह प्रेम, करुणा, भक्ति और मोक्ष का साक्षात स्वरूप है। जो भक्त निष्काम भाव से उनकी शरण में आता है, महाप्रभु उस पर विशेष कृपा बरसाते हैं और उसके जीवन को धन्य बना देते हैं।बकथा के दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के जयघोषों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया तथा महाप्रभु के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

आयोजन समिति ने बताया कि श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा का आयोजन 25 जुलाई तक प्रतिदिन सायं 5 बजे से 6:30 बजे तक स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर में किया जाएगा। कथा में बद्रीनाथ एवं वृंदावन से पधारे संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को और अधिक दिव्यता प्रदान कर रही है। समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कथा में उपस्थित होकर भगवान श्रीजगन्नाथ की दिव्य महिमा का श्रवण करने और धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462002
ई-मेलः eephedqcbpl@mp.gov.in दूरभाष क्रमांक 0755-2661511
क्रमांक : 09 यं/लो.स्वा.यां.वि./गु.नि.इ. खंड/भोपाल 2026-27 दिनांक : 14.07.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर अपेंडिक्स 2.1 पर इस क्षेत्र की अनुभवी एवं प्रतिष्ठित फर्म से 'कार्यालय मंत्रालय वल्लभ भवन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल में स्वयं की फोटोकॉपी मशीन स्थापित कर ऑपरेटर फोटोकॉपी पेपर एवं डेवलपर सहित फोटोकॉपी का कार्य करने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 14.07.2026 से दिनांक 28.07.2026 को 16:30 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 28.07.2026 को 16:30 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 29.07.2026 को 16:30 बजे खोली जावेगी। बेवसाईट www.mptenders.gov.in (E-Tender No. 2026_PHED_521009_1, PHED Date 14.07.2026)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	कार्यालय मंत्रालय वल्लभ भवन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल में स्वयं की फोटोकॉपी मशीन स्थापित कर ऑपरेटर फोटोकॉपी पेपर एवं डेवलपर सहित फोटोकॉपी का कार्य	रु. 288000.00 (रु. दो लाख अठठासी हजार मात्र)	रु. 5760.00 (रू. पांच हजार सात सौ साठ मात्र)	रु. 2000.00 (रु. दो हजार मात्र)	730 दिवस

विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।
मुख्य तिथियाँ

क्रय करने की तिथि : 14.07.2026 से 28.07.2026 बजे तक
जमा करने की अंतिम तिथि : 28.07.2026 16:30 बजे तक
लिफाफा 'ए' खुलने की तिथि : 29.07.2026 16:30 बजे तक

कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

जी-15811/26

न्यूज विंडो

जनसुनवाई में आम जनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं स्थायी समाधान

नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 427आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है। राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 427 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

बिना सूचना 17 दिन से गायब शिक्षक पर कार्रवाई, शाला का प्रभार तत्काल बदला

तेंदूखेड़ा। शिक्षा विभाग ने शासकीय प्राथमिक शाला पिडरई में पदस्थ एक शिक्षक के 17 दिनों तक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए विद्यालय का प्रभार तत्काल प्रभाव से दूसरे शिक्षक को सौंप दिया है। विभाग ने मामले को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए इसकी रिपोर्ट बीआरसीसी तेंदूखेड़ा को भेज दी है तथा संबंधित शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को शासकीय प्राथमिक शाला पिडरई का आकस्मिक निरीक्षण तारादेही संकुल प्राचार्य स्वदेश नेमा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर एवं कक्षाएं साफ-सुथरी मिलीं तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति 88 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि उपस्थिति पंजी की जांच में सामने आया कि विद्यालय में पदस्थ शिक्षक छोटे लाल धुर्वे 1 जुलाई से लगातार बिना किसी सूचना के अनुपस्थित हैं। उन्होंने न तो अवकाश का आवेदन प्रस्तुत किया और न ही विभाग को मौखिक अथवा लिखित रूप से अपनी अनुपस्थिति की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान शिक्षक से मोबाइल के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वहीं विद्यार्थियों और अभिभावकों से चर्चा कर संबंधित शिक्षक के बारे में जानकारी ली गई तो पता चला कि शिक्षक पिछले कई दिनों से विद्यालय नहीं आ रहे थे।

वाहनों को रोककर डकैती डालने की योजना बनाते तीन लोग गिरफ्तार

धार। बाग पुलिस ने ग्राम अंजनताड़ के पास डकैती की योजना बना रहे तीन हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने इनके पास से देसी कट्टा, कारतूस, धारदार हथियार और इंदौर से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल जब्त की है। 17 जुलाई 2026 की रात करीब 12 बजे बाग पुलिस और डेहरी चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि खोजा फाटा ग्राम अंजनताड़ के पास कुछ हथियारबंद बदमाश वाहनों को रोककर डकैती डालने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिलीप पिता प्रेम सिंह पवार निवासी बोरडबरा, जितेंद्र पिता गुलाब सपनिया निवासी खेडलीहनुमान गंधवानी और लोकेश पिता रकसिंह निवासी बोरडबरा के रूप में हुई है। वहीं, दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक 12 बोर का देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक फालिया, डंडे और इंदौर के भंवरकुआं क्षेत्र से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टांडा पुलिस ने दबोचा 10 हजार का इनामी लुटेरा, 2021 से चल रहा था फरार

धार। टांडा पुलिस ने साल 2021 से लूट के मामले में फरार चल रहे दस रुपये के इनामी आरोपी ठाकुर पिता हरु निवासी ग्राम सिंगाचोरी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, थाना टांडा में वर्ष 2021 में आरोपी ठाकुर के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से ही आरोपी लगातार अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। लंबे समय तक सुराग न मिलने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये के नकद इनाम की घोषणा की गई थी। फरार और इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में टांडा थाना पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना और तकनीकी साक्ष्य मिले, जिसके आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और आरोपी ठाकुर को धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इनामी आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में थाना टांडा पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

सुरक्षित नहीं रिक्शे से बच्चों के स्कूल का सफर

क्षमता से ज्यादा बच्चों को बैठाकर फर्राटा मार रहे ई-रिक्शा वाहनों में ताक पर सुरक्षा

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

स्कूली बच्चों की सुरक्षा से होने वाला खिलवाड़ जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगर की सड़कों पर नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए इन दिनों बड़ी संख्या में ई रिक्शा का उपयोग किया जा रहा है। कई स्कूलों ने अपने यहां ई रिक्शा लगा रखे हैं कई स्कूलों में खुद ई रिक्शा संचालक अभिभावकों से बात कर उनके बच्चों को घर से स्कूल और स्कूल से घर छोड़ रहे हैं। लेकिन इनमें सुरक्षा के इंतजाम न होने से बच्चों को असुरक्षित तरीके से स्कूल भेजा जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले साल ही भोपाल में ई रिक्शा का उपयोग स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है साथ ही अन्य जिलों में भी ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगा रखा, लेकिन तेन्दूखेड़ा में नियमों की धज्जियां उड़ते हुए स्कूली बच्चों को ई-रिक्शा में स्कूल और घर छोड़ा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार विभाग की आंखों के सामने यह सब हो रहा है, लेकिन कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। बच्चों को लेकर रोज सुबह शाम ई रिक्शा सड़कों पर दौड़ रहे हैं ई-रिक्शा में दस से बारह बच्चों को ठूंसकर बैठाया जाता है।

जानकारी के अनुसार नगर भर में लगभग 100 से अधिक ई रिक्शा चल रहे हैं, जिनका परिवहन विभाग में पंजीयन है। ई रिक्शा की गति कम होने की वजह से एक तरह से यात्रियों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं लेकिन बच्चों के लिए ये सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि इनमें दूसरे आटो रिक्शा की तरह गेट नहीं होते। यहां की सड़कें खराब होने की वजह से ई रिक्शा के पहिए गड्ढों में पड़ने पर इनके असंतुलित होने से बच्चों के लिए खतरा निर्मित हो जाता है। इनमें न तो सेफ्टी बेल्ट होते हैं न एयरबैग और न एंटी ब्रेकिंग लॉक सिस्टम। सीट के दोनों ओर गेट न होने से मामूली झटके में बच्चों के वाहन से नीचे गिरने का खतरा बना रहता है। सबसे ज्यादा खतरा इस बात का होता है कि ये थोड़ा भी असंतुलित होते हैं तो पलट भी जाते हैं, कई बार चढ़ाई पर इनकी बैटरी पॉवर कम होने पर ये पीछे की ओर खिसकने लगते हैं।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ा खतरा यह भी है कि यहां कई बार अनाड़ी और नाबालिग भी ई रिक्शा चलाते नजर आते हैं। चालक के बीमार होने या बाहर होने पर वह अपनी जगह किसी दूसरे व्यक्ति को बच्चों को स्कूल भेजने की जिम्मेदारी सौंप देता है, जिनके पास स्कूली वाहन चलाने का अनुभव नहीं होता और वे लापरवाही से वाहन चलाते हैं। जिससे बच्चों की सुरक्षा को खतरा होता है

ग्रामीण क्षेत्रों से हर दिन ई-रिक्शा से आते हैं बच्चे

वहीं नगर में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों के पढ़ने वाले छात्र छात्राएं व बच्चे प्रतिदिन बड़ी संख्या में ई-रिक्शा से मुख्यालय आते हैं उनका कहना होता है कि हमारे गांव में कोई भी बस नहीं आती है जिसके कारण आटो और ई-रिक्शा के पढ़ने के लिए आते हैं चाहे कोई भी हादसा क्यों न हो जाए, लेकिन आने-जाने के लिए ई-रिक्शा और आटो ही मिलता है, जिसमें 15 से 20 लोग बैठाएं जाते हैं। कभी-कभी तो इनकी संख्या में 25-30 पहुंच जाती है और सफ़र करते हुए बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है लेकिन इस और कोई ध्यान देने वाला नहीं है।

मापदंडों की खुलेआम होती है अनदेखी

स्कूल वाहनों के लिए पीला रंग, जीपीएस, सीसीटीवी, फस्ट एड बॉक्स, अग्नि शमन यंत्र, प्रशिक्षित चालक, अटेंडर, स्पीड गवर्नर, आपातकालीन निकास, वैध फिटनेस, बीमा और क्षमता के अनुरूप बच्चों को बैठाना अनिवार्य है होता है इसके बावजूद नगर में इन मापदंडों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ई-रिक्शा तो स्कूल वाहन के रुप में मान्यता प्राप्त श्रेणी में भी नहीं आते, फिर भी बड़ी संख्या में इन्हें बच्चों के परिवहन में लगाया गया है।

दहशत: बंदरों ने दो दिन में दो लोगों को किया घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिनों में बंदर द्वारा दो लोगों पर हमले की घटनाओं ने रहवासियों की चिंता और बढ़ा दी है। बीते दिन सुबह वार्ड क्रमांक 11 में पूजा के लिए फूल तोड़ने गई एक महिला पर बंदर ने हमला कर दिया, जबकि एक दिन पहले इसी वार्ड में कोचिंग से लौट रहे एक बच्चे को बंदर ने कान में काट लिया था। अब तक बंद होने लगभग 100 लोगों से भी ज्यादा लोगों का काटा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड 11 निवासी पार्वती यादव बीते दिन सुबह अपने घर के पास पूजा के लिए फूल तोड़ रही थीं। इसी दौरान अचानक पीछे से आए बंदर ने उनकी पीठ पर छलांग लगा दी और हाथ में काट लिया। महिला के शोर मचाने पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद बंदर वहां से भाग गया। घायल महिला को उनके पुत्र वीरेंद्र यादव तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के साथ एंटी रेबीज के टीके लगाए गए। इससे एक दिन पहले गुरुवार शाम लगभग 7 बजे वार्ड क्रमांक11 में कोचिंग से घर लौट रहे एक बच्चे पर भी बंदर ने हमला कर उसके कान में काट लिया था। बच्चे का भी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया। लगातार हो रही घटनाओं से वार्ड 11 एवं 12 के रहवासियों में भय का माहौल है। स्थानीय

लोगों का कहना है कि सुबह से शाम तक बंदर गलियों और घरों की छतों पर घूमते रहते हैं। बच्चों का बाहर खेलना, बुजुर्गों का टहलना और महिलाओं का घर के बाहर दैनिक कार्य करना भी जोखिम भरा हो गया है। कई बार बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान भी नुकसान पहुंचा देते हैं। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर नगर परिषद और वन विभाग को कई बार लिखित एवं मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

जिला कलेक्टर के निर्देश पर तेंदूखेड़ा में निजी विद्यालयों का किया निरीक्षण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशानुसार तेंदूखेड़ा अनुविभाग के निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर के तीन निजी विद्यालयों का निरीक्षण कर वहां की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता व्यवस्था, खेल मैदान, सुरक्षा प्रबंध तथा शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों से संबंधित अभिलेखों एवं फीस संबंधी जानकारी का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को शासन के निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने वार्ड 11 स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल का निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ बीआरसी पी.एल. अहिरवार, कार्यालय सहायक के.सी. शर्मा तथा कानूनगो दिनेश प्यासी उपस्थित रहे। इसी क्रम में तहसीलदार विवेक व्यास ने आरुषी अकादमी का निरीक्षण किया। उनके साथ आरआई करण सिंह एवं विश्व प्रताप सिंह मौजूद रहे। वहीं वार्ड क्रमांक 10 स्थित आई.ई.एस. विद्यालय का निरीक्षण नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी ने किया। इस दौरान कार्यालय सहायक दिनेश प्यासी भी उपस्थित रहे।

कोतमा क्षेत्र स्थित JMS भूमिगत खदान में वेंटिलेशन व्यवस्था पर उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

कोतमा क्षेत्र स्थित JMS भूमिगत खदान में कार्यरत श्रमिकों के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं मिलने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों और श्रमिकों का कहना है कि खदान के अंदर ताजी हवा का प्रवाह पर्याप्त नहीं होने से सांस लेने में कठिनाई, धूल तथा गर्मी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। श्रमिकों ने मांग की है कि खदान की वेंटिलेशन व्यवस्था का DGMS (महानिदेशालय खान सुरक्षा) द्वारा तकनीकी निरीक्षण कराया जाए तथा प्रदूषण नियंत्रण विभाग भी वायु गुणवत्ता और पर्यावरणीय मानकों की जांच करे। ष्ठत्त्रस्के नियमों के अनुसार भूमिगत खदानों में सुरक्षित कार्य के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन, गैसों की निगरानी और स्वच्छ वायु की उपलब्धता आवश्यक होती है।

बंजर जमीन उगल रही 'कीमती दाने' सागर में ढूंढने उमड़ी भीड़, कीमत 25 हजार तक होने का दावा

सागर। दोपहर मेट्रो

कहते हैं किस्मत कब और कहां बदल जाए, कोई नहीं जानता। ऐसा ही कुछ इन दिनों मध्यप्रदेश के सागर जिले के केसली विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम जैतपुर डोमा में देखने को मिल रहा है। यहां की एक बंजर पड़ी जमीन अचानक से ग्रामीणों के लिए कुबेर का खजाना बन गई है। जमीन से कथित तौर पर कीमती माला के दाने निकलने की अफवाह और दावों के बाद पिछले दो हफ्तों से पूरा गांव इसी बंजर जमीन पर डेरा डाले हुए है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी सुबह से शाम तक मिट्टी छानकर अपनी किस्मत चमकाने में जुटे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के दावों के मुताबिक, अब तक गांव के करीब 10 से अधिक लोगों के हाथ यह रहस्यमयी कीमती दाने लग चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन दानों को खरीदने के लिए मौके पर ही बिचौलिए और खरीदार भी सक्रिय हो चुके हैं। दानों की चमक और बनावट के आधार पर उनकी बोलियां लगाई जा रही हैं, जो 1000 से शुरू होकर 25,000 तक पहुंच रही हैं। नकद भुगतान मिलने के कारण ग्रामीणों में इन्हें खोजने की होड़ और ज्यादा बढ़ गई है। बारिश के इस सीजन में जब खेतों में रोजगार के सीमित साधन हैं, तब यह बंजर जमीन ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त कमाई का बड़ा जरिया बन गई है। यह कौतूहल पहली बार नहीं देखा जा रहा है। इलाके के जानकारों का कहना है कि इससे पहले देवरी के सिलारी और केसली के ही मदनपुर गांव में भी इसी तरह के प्राचीन दाने मिलने के मामले सामने आ चुके हैं। बुजुर्गों और ग्रामीणों का अनुमान है कि ये बेशकीमती दाने मुगलकालीन हो सकते हैं, जिनका इस्तेमाल प्राचीन समय में राजा-महाराजाओं की मालाएं बनाने में किया जाता होगा।

मेट्रो एंकर

अनु.जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में जिला भाजपा की बैठक संपन्न

भाजपा की सरकार ने जनजाति समाज के उत्थान, सशक्तिकरण एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए किया सतत प्रयास: पंकज तेकाम

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में वृहद जिला बैठक एवं अनुसूचित जनजाति समाज प्रमुख संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई बैठक के पूर्व कार्यालय प्रांगण में स्थापित पं.दीनदयाल उपाध्याय जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

उक्त कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव महेंद्र नागेश, सोहन सिंह मरावी (प्रदेश महामंत्री जनजाति मोर्चा), मनोज आर्मो नीरज मरकाम (प्रदेश उपाध्यक्ष जनजाति मोर्चा) सुश्री एकता ठाकुर (प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा) राहुल कौरव, सुरेंद्र मोहन नेमा (जिला महामंत्री) मोर्चा जिलाध्यक्षगण रामकुमार ठाकुर (अनुसूचित जनजाति) कमल खटीक (अनुसूचित जाति मोर्चा), श्रीमती निशा सोनी (महिला मोर्चा), राजकुमार गुमास्ता (किसान मोर्चा) आदि मंचासीन रहे इस अवसर पर सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन कर बैठक का शुभारंभ किया गया। अनु.जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकुमार ठाकुर ने बैठक की प्रस्तावना रखी ।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, सेवा कार्यों और जनता के विश्वास के आधार पर भाजपा निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक गति देने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का आग्रह किया। इसके उपरांत जिलाध्यक्ष भाजपा रामस्नेही पाठक ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सर्वहारा वर्ग की चिंता की गई हमारी जनजाति समाज की शिक्षा एवं उनकी बुनियादी आवश्यकताए एवं आर्थिक स्थिति को सवारने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया। उन्होंने कहा कि आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संगठन की एकजुटता एवं कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा जिले में और अधिक सशक्त होगी।

मुख्य अतिथि अनु.जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति समाज के सम्मान, विकास एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक संगठन की रीति-नीति एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रत्येक कार्यकर्ता इसकी महत्वपूर्ण कड़ी है। बैठक की जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि बैठक का संचालन संदीप कुमार ठाकुर ने एवं आभार नीरज काकोडिया ने किया उक्त अवसर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण, महामंत्री, मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बडी संख्या में उपस्थिति रही।

फीफा विश्वकप 2026: फाइनल से पहले सजेगा दुनिया का सबसे बड़ा मंच

मंच पर दिखेगा ट्रंप सहित ग्लोबल सुपरस्टार्स का जमावड़ा

न्यू जर्सी, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। करीब एक महीने तक चले दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महाकुंभ का समापन रविवार को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले अर्जेंटीना और स्पेन के बीच फाइनल मुकाबले के साथ होगा। लेकिन खिताबी भिड़ंत से पहले दर्शकों को मनोरंजन, संगीत और संस्कृति का ऐसा संगम देखने को मिलेगा, जो इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को यादगार बना देगा। फाइनल से पहले होने वाला समापन समारोह दुनिया भर के करोड़ों दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा।

48 टीमों के सफर का होगा जश्न-

फीफा विश्व कप 2026 पहली बार 48 टीमों के नए प्रारूप में खेला गया। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट के मुकाबले 16 अलग-अलग शहरों में खेले गए। समापन समारोह में पूरे टूर्नामेंट के यादगार पलों, खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और तीनों मेजबान देशों की सांस्कृतिक विरासत को विशेष अंदाज में पेश किया जाएगा। आयोजकों का दावा है कि यह समारोह फीफा इतिहास के सबसे भव्य कार्यक्रमों में शामिल होगा।

फाइनल में ट्रंप की मौजूदगी रहेगी खास आकर्षण

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी भी चर्चा का बड़ा विषय रहेगी। व्हाइट हाउस ने पुष्टि की है कि ट्रंप न्यू जर्सी स्टेडियम पहुंचकर मुकाबला देखेंगे। मैच से पहले वह फीफा अधिकारियों के साथ एक विशेष कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। इसके बाद फाइनल के समापन पर विजेता टीम के कप्तान को विश्व कप ट्रॉफी भी उनके हाथों सौंपी जाएगी। ऐसे में ट्रॉफी वितरण समारोह भी दुनियाभर के दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगा। समापन समारोह में खेल और मनोरंजन जगत के कई बड़े नाम एक साथ मंच साझा करेंगे। हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज के अलावा मशहूर गायिका लौरा पाउसिनी, ब्रिटिश पॉप स्टार रॉबी विलियम्स और इंटरनेट सेंसेशन आईशोस्पीड अपनी प्रस्तुति देंगे। आधुनिक तकनीक, शानदार लाइटिंग और विशेष विजुअल इफेक्ट्स के साथ तैयार किया गया यह समारोह फुटबॉल और संगीत का अनूठा संगम पेश करेगा।

जेनिफर हडसन करेंगी राष्ट्रगान की प्रस्तुति

फाइनल मुकाबले की शुरुआत से पहले एमी, ग्रैमी, ऑस्कर और टोनी जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार जीत चुकीं अमेरिकी गायिका जेनिफर हडसन राष्ट्रगान प्रस्तुत करेंगी। आयोजकों का कहना है कि यह प्रस्तुति टूर्नामेंट के भावनात्मक समापन का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। फीफा के मुख्य संचालन अधिकारी हेइमो शिरगी के अनुसार, इस समारोह का उद्देश्य संगीत, संस्कृति और खेल को एक मंच पर लाकर विश्व कप की भावना का जश्न मनाना है। फीफा विश्व कप 2026 का समापन सिर्फ एक फाइनल मैच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खेल, संगीत, संस्कृति और वैश्विक मनोरंजन का ऐसा संगम होगा, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखेगी। मुकाबले में अर्जेंटीना और स्पेन विश्व चैंपियन बनने के लिए मैदान पर उतरेंगे।

हाफ-टाइम शो में दिखेगा ग्लोबल म्यूजिक का जलवा

फाइनल मुकाबले के मध्यांतर में होने वाला हाफ-टाइम शो भी बेहद खास रहने वाला है। इसकी रचनात्मक जिम्मेदारी कोल्डप्ले के प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन संभालेंगे। इस शो में कनाडाई सुपरस्टार जस्टिन बीबर लंबे समय बाद किसी बड़े वैश्विक मंच पर प्रस्तुति देंगे। उनके साथ अमेरिकी पॉप आइकन मैडोना, कोलंबियाई स्टार शकीरा, प्रसिद्ध ऑर्केस्ट्रा निर्देशक गुस्तावो डुडामेल और दक्षिण कोरिया का लोकप्रिय बॉयबैंड बीटीएस भी अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन करेगा। करीब 25 मिनट तक चलने वाला यह शो फाइनल मुकाबले का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आकर्षण माना जा रहा है।

रविवार देर रात होगा आोजन

भारत में फुटबॉल प्रेमी रविवार देर रात से इस ऐतिहासिक आयोजन का आनंद ले सकेंगे। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे शुरू होगा। इससे पहले रात 11:00 बजे भव्य समापन समारोह का आयोजन होगा। समारोह समाप्त होने के बाद दोनों टीमें मैदान पर उतरेंगी, जबकि पहले हाफ के बाद मध्यांतर में विशेष हाफ-टाइम शो आयोजित किया जाएगा।

विस्फोटक ओपनरों की लिस्ट में रोहित का नाम

एक ही वर्ल्ड कप में पांच शतक, जो कोई नहीं कर सका, वो कर दिखया हिटमैन ने

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मैच 19 जुलाई यानी रविवार को खेला जाना है। ऐसी खबरें हैं कि रोहित शर्मा के करियर का यह अंतिम वनडे मैच हो सकता है। इसका मतलब साफ है कि रोहित शर्मा साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप मिशन का हिस्सा नहीं होंगे। वनडे वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे खतरनाक और विस्फोटक ओपनरों की लिस्ट में रोहित शर्मा का नाम टॉप पर रखा जाता है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने करियर के दौरान आईसीसी के खास इवेंट वनडे वर्ल्ड कप में बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में रोहित ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी और बड़े शतक लगाने की काबिलियत से फैन्स के बीच अलग छाप छोड़ी है।

वनडे वर्ल्ड कप में अब तक 28 मैच खेल चुके हैं रोहित

वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा अब तक कुल 28 मैचों में हिस्सा ले चुके हैं। इस दौरान रोहित शर्मा ने 60।57 की लाजवाब औसत और करीब 106।9 के स्ट्राइक रेट से 1,575 रन बनाए हैं। भारत के लिए रोहित शर्मा ने अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप साल 2015 में खेला था। इसके अलावा उन्होंने साल 2019 और साल 2023 में भी बल्ले से दमखम दिखाने में सफलता हासिल की थी। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रोहित शर्मा साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा होंगे?

साल 2019 वर्ल्ड कप में रचा था इतिहास

साल 2019 का वर्ल्ड कप रोहित शर्मा के करियर का सबसे बेहतरीन दौर रहा था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने बल्लेबाजी की हर परिभाषा को बदल कर रख दिया। रोहित ने एक ही वर्ल्ड कप सीजन में 5 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह किसी एक वर्ल्ड कप में पांच शतक लगाने वाले दुनिया के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बने। उन्होंने इस टूर्नामेंट के 9 मैचों में 648 रन बनाए और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

2023 वर्ल्ड कप में तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

भारत में खेले गए साल 2023 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान टीम को फ्रंट से लीड किया। उन्होंने अपने पर्सनल रिकॉर्ड से ज्यादा टीम को तूफानी शुरुआत दिलाने पर ध्यान दिया। रोहित ने वर्ल्ड कप में अपना 7वां शतक लगाकर महान सचिन तेंदुलकर के 6 शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब उनके नाम वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा 7 शतक दर्ज हैं। साल 2023 वर्ल्ड कप के दौरान रोहित ने 11 मैचों में 125।94 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 597 रन ठोके और टीम को फाइनल तक पहुंचाया।

रोहित की विदाई के चर्चे और उसके सूत्र

अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को साफ कर दिया कि लॉर्ड्स का मुकाबला रोहित का विदाई मैच नहीं है।इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच की हार के बाद अचानक पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया।भले ही इस तरह की खबरें निकल कर आ रही थीं कि इंग्लैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा सीरीज के बाद बीसीसीआई और चयन समिति और टीम मैनजेमेंट अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए नई रणनीति तैयार कर रहा है। सूत्रों के हवाले से निकली खबरों के हिसाब से ऐसा माना जा रहा था कि भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं है।लगातार दो दिनों से बस बात इसी मुद्दे पर हो रही थी कि क्या हिटमैन जैसे दिग्गज खिलाड़ी के साथ इस तरह का बर्ताव करना सही है या फिर वाकई क्रिकेट बोर्ड सिर्फ भविष्य की कार्यकारी योजनाओं पर काम कर रहा है।

इस बात में कोई शक नहीं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड की भविष्य वाली यह सोच कुछ हद तक सही हो सकती है,लेकिन क्या भविष्य के लिए क्रिकेट के वर्तमान दौर को ताक पर रखना सही है।खैर दो दिन से क्रिकेट के बाजार में तैर रही इस तरह की सभी खबरों को बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने सिरे से खारिज कर बोर्ड का रवैया रोहित शर्मा के बारे में एकदम साफ कर दिया।अगर बात उनकी माने तो फिर लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर होने वाला निर्णायक मुकाबला रोहित शर्मा का विदाई मैच नहीं होगा।लेकिन अगर क्रिकेट जगत में सूत्रों की खबर से आहत होकर व वर्ल्ड चैंपियनशिप के तुरंत बाद कप्तानी से हटाने वाले बोर्ड के फैसले को ध्यान में रखते हुए हिटमैन खुद ही इस मैच को अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बना देते हैं तो फिर चर्चाओं के बाजार का रुख क्या होगा।अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार सिर्फ 3 दिनों के अंतराल में ऐसा क्या हुआ जिस वजह से जीत-हार के मुद्दे से हटकर बात सिर्फ रोहित के रिटायरमेंट पर आकर टिक गयी।गौरतलब है कि वनडे सीरीज के ठीक पहले भारतीय कप्तान गिल ने साफ तौर पर कहा था कि रोहित और कोहली की मैदान में मौजूदगी टीम के लिए बेहद फायदेमंद है।वहीं फिर पहले वनडे में मिली जीत के बाद भी इन दो दिग्गजों को लेकर कोई बयानबाजी निकल कर नहीं आती है।पहले मुकाबले में मिली जीत के बाद शायद भारतीय क्रिकेट बोर्ड और उसके चाहने वालों को इस बात की आस बन गयी कि आईपीएल के सितारों से सजी हुई युवा भारतीय टीम की क्लीन स्वीप का हिसाब किताब दिग्गजों की मौजूदगी में टीम इंडिया वनडे सीरीज में कर लेगी और मैनजेमेंट के अटपटे फैसलों को भी क्रिकेट जगत दरकिनार कर देगा।लेकिन जब टीम इंडिया को कार्डिफ के दूसरे मुकाबले में शिकस्त झेलना पड़ी तो फिर मामला एक बार फिर टीम मैनजेमेंट की योजनाओं और चयनकर्ताओं के नीति निर्धारण को लेकर सुर्खियों में आने लगा।ठीक उसके बाद से ही टीम इंडिया और उसके क्रिकेट जगत के सूत्र खबरों के उस बाजार में कूद गये जिसके हिसाब से रोहित शर्मा ही मैच की हार के एकमात्र विलेन नजर आने लगे।

कहीं ऐसा तो नहीं कि विदेशी सरजमीं पर टी20 के चैंपियन की पोल खुलने के बाद वनडे चैंपियन के लिए कार्डिफ की हार ने ही क्रिकेट के उन सूत्रों को एक्टिव कर दिया जो क्रिकेट के असल मैदानी मुद्दों का रुख आसानी से मोड़ने का माद्दा रखते हैं।भले ही सवाल बेहद पेचीदा है लेकिन नजरंदाज करना भी मुश्किल है कि आखिर वह गोपनीय सूत्र कौनसे होते हैं जो बोर्ड के अंदरखाने की बातों को बाजार में ब्रेकिंग खबर बना देते हैं।ऐसा भी नही कि उनकी खबरें निराधार ही होती हैं,बल्कि सच तो यही है कि इन सूत्रों के मायने बेहद सटीक भी होते हैं।मतलब साफ है कि भले ही रोहित के लिए दोतरफा बातें मैदान के बाहर चल रही हों,लेकिन ऐसा भी नहीं मान सकते है कि सब कुछ वैसा है जैसा बोर्ड के सचिव सैकिया बता रहे हैं।खैर जो भी हो पर सच तो यही है कि हिटमैन का सफर अब खत्म होने वाला है,लेकिन क्या सिर्फ एक खिलाड़ी के रिटायर होने से टीम इंडिया की वे सभी कमियां दूर हो जायेंगी जो हालिया दौरे में उभर कर सामने आयी हैं।आखिर कब तक भारतीय क्रिकेट बोर्ड टीम के चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट की उन कारगुजारियों पर पर्दा डालता रहेगा जिसकी वजह से हमारे शेर विदेशी पिचों और वहां के मैदानों पर ढेर हो रहे हैं।टीम इंडिया अब मौजूदा दौरे के आखिरी पड़ाव पर लॉर्ड्स में रविवार को उतरेगी।भले ही इस मैच में विदाई के चर्चे ओर सूत्रों का बाजार जो भी हो लेकिन मेरी दिलचस्पी तो अभी भी मैनेजमेंट के उस टीम संयोजन को लेकर रहेगी जिसकी वजह से वर्ल्ड चैंपियन टीमों ने मुंहकी खायी है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

जब एक फोन कॉल ने बदल दी प्रियंका चोपड़ा की किस्मत, पिता को मनाने के लिए मां ने अपनाई खास तरकीब

मुंबई। आज प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी प्रियंका का सफर जितना शानदार दिखता है, उसकी शुरुआत उतनी ही दिलचस्प रही। मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले उन्हें अपने पिता को मनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा था। इस पूरे घटनाक्रम का जिक्र उन्होंने अपनी आत्मकथा 'अभी बाकी है सफर' में किया है।

प्रियंका चोपड़ा का जन्म 18 जुलाई 1982 को जमशेदपुर में हुआ था। उनके माता-पिता भारतीय सेना में डॉक्टर थे और परिवार में पढ़ाई को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता था। उस समय प्रियंका महज 17 साल की थीं और अपनी पढ़ाई तथा प्री-बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी में जुटी हुई थीं। इसी दौरान एक दिन उन्हें फेमिना मैगजीन की ओर से फोन आया। कॉल पर बताया गया कि उनका चयन मिस इंडिया प्रतियोगिता के नॉर्थ इंडिया राउंड के लिए हुआ है और उन्हें दिल्ली में होने वाले ऑडिशन में हिस्सा लेना है। यह खबर सुनकर प्रियंका बेहद उत्साहित हो गईं। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद उनकी लोकप्रियता की वजह से उन्हें चुना गया है, लेकिन बाद में उनकी मां ने बताया कि आवेदन उन्होंने ही भेजा था। मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से ज्यादा मुश्किल काम अपने पिता को इसके लिए तैयार करना था। उनके पिता चाहते थे कि प्रियंका पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान दें और बेहतर करियर बनाएं। ऐसे में अचानक ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने की बात उन्हें पसंद आएगी, इसकी संभावना कम थी।

मां की समझदारी से बनी बात

प्रियंका की मां मधु चोपड़ा ने पूरे मामले को बेहद समझदारी से संभाला। उन्होंने पहले घर का माहौल हल्का रखा और प्रियंका को भी समझाया कि पिता के सामने किसी तरह की बहस नहीं करनी है। सही समय आने पर उन्होंने अपने पति से इस बारे में बात की और प्रियंका के सपनों का जिक्र किया। आखिरकार पिता इस शर्त पर तैयार हुए कि प्रियंका अकेले दिल्ली नहीं जाएंगी। उनकी मां पूरे सफर के दौरान उनके साथ रहेंगी। इसके बाद दोनों ट्रेन से दिल्ली पहुंचीं और प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में शामिल हुईं।

लॉक अप: सच या सजा में अर्जुन कपूर ने शादी को लेकर किया कमेंट, शर्म से लाल हो गईं पामेला

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी फिल्मों के साथ-साथ बेबाक अंदाज और शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो %लॉक अप- सच या सजा% में ऐसा मजाक किया कि सेट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े। खास बात यह रही कि उनकी शादी को लेकर की गई टिप्पणी सुनकर कंटेस्टेंट पामेला सेरेना भी शर्म से मुस्कुराने लगीं। यह पल अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

शो के जजमेंटल डे एपिसोड में अर्जुन कपूर विशेष मेहमान के तौर पर पहुंचे थे। मंच पर आते ही उन्होंने प्रतियोगियों के साथ खूब मस्ती की और शो के चर्चित सेगमेंट %कलेशी कॉर्नर% की तारीफ करते हुए कहा कि वह इसके नियमित दर्शक हैं। अर्जुन का हल्का-फुल्का अंदाज शुरुआत से ही माहौल को खुशनुमा बना रहा।

बातचीत के दौरान अर्जुन कपूर ने पामेला सेरेना के साथ मजाक करते हुए कहा, ÷मैं अभी भी जवान हूं और शादी के लिए तैयार हूं।÷ अभिनेता की यह बात सुनते ही पामेला पहले तो चौंक गईं, फिर मुस्कुराते हुए शर्माती नजर आईं। सेट पर मौजूद बाकी कंटेस्टेंट्स और दर्शकों ने भी इस पल का जमकर आनंद लिया। अर्जुन की टाइमिंग और मजाकिया अंदाज ने पूरे एपिसोड को और मनोरंजक बना दिया।

अर्जुन कपूर यहीं नहीं रुके। बातचीत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने प्रतियोगी आकांक्षा चमोला की ओर इशारा करते हुए हंसते हुए कहा, ÷लगता है हमारी पसंद एक जैसी है।÷ उनके इस मजाक पर शो में मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। अर्जुन की चुटीली बातें पूरे एपिसोड का आकर्षण बन गईं। नेटफ्लिक्स का रियलिटी शो लॉक अप- सच या सजा इन दिनों लगातार सुर्खियों में बना हुआ है।

मेट्रो बाजार

भारत का भुगतान संतुलन, वित्त वर्ष 2026-27 में अधिशेष में लौटने की उम्मीद: रिपोर्ट

नई दिल्ली । लगातार दो वर्षों के घाटे के बाद भारत का भुगतान संतुलन वित्त वर्ष 2026-27 में अधिशेष में लौट सकता है। इसका मुख्य कारण शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अन्य पूंजी प्रवाह में मजबूती रहने की संभावना है। यह जानकारी जारी रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में शुद्ध एफडीआई बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 6.9 अरब डॉलर था। यह वृद्धि सकल एफडीआई प्रवाह में मजबूती के कारण संभव होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एफसीएनआर (बी) जमा, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के लिए रियायती स्वैप विंडो के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27 में सामूहिक रूप से 45 से 60 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि पूंजी खाते का अधिशेष वित्त वर्ष 2025-26 के महज 2 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 73 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चालू खाता घाटे के अपने अनुमान को भी घटाकर जीडीपी के 0.8 से 1.2 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 2.1 प्रतिशत था। सीएडी के अनुमान में यह कमी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, सेवा निर्यात और रेमिटेंस में मजबूती तथा वस्तु निर्यात में सुधार के कारण की गई है।

सेमिकॉन 2.0 से अगले पांच वर्षों में 2 लाख तक रोजगार सृजित हो सकते हैं: उद्योग जगत

नई दिल्ली । उद्योग जगत ने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत बनाने की पहल %सेमिकॉन 2.0% अगले पांच वर्षों में 1.5 लाख से 2 लाख तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित कर सकती है। यह योजना भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को केवल असेंबली आधारित मैन्युफैक्चरिंग से आगे बढ़ाकर चिप डिजाइन, इंजीनियरिंग और इनोवेशन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एनएलबी सर्विसेज के विश्लेषण के अनुसार, सेमीकंडक्टर मिशन का अगला चरण केवल मैन्युफैक्चरिंग तक सीमित नहीं रहेगा। इसका फोकस चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर वेरिफिकेशन, एम्बेडेड सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस्ड पैकेजिंग और इंटेलिजेंट सप्लाई चेन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक समग्र इकोसिस्टम विकसित करने पर होगा।

यह आकलन ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.27 लाख करोड़ रुपए के बजट परिव्यय के साथ %सेमिकॉन 2.0% योजना को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को और मजबूत बनाना है। एनएलबी सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन अलुग ने कहा कि वर्ष 2030 तक सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत पदों की प्रकृति बदल जाएगी, जिसके चलते उच्च कौशल वाले इंजीनियरिंग पेशेवरों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंचनजंघा को निहारने पहुंचे हैं बड़ी संख्या में पर्यटक

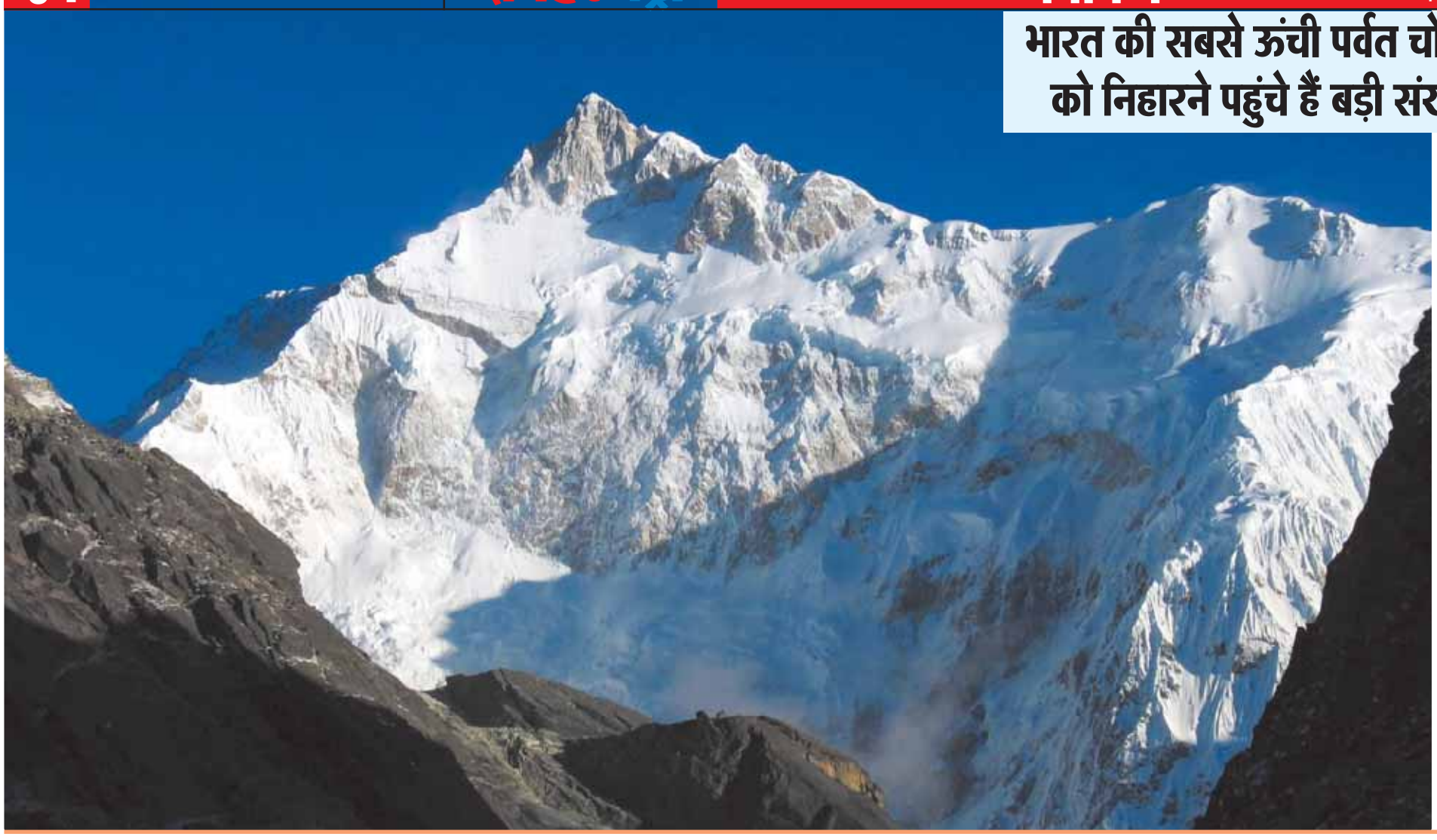

गंगटोक. एजेंसी। भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंचनजंघा है, जिसकी ऊंचाई करीब 8,586 मीटर है। हिमालय की बर्फ से ढकी यह विशाल चोटी सिक्किम और नेपाल की सीमा पर स्थित है और प्राकृतिक सुंदरता के साथ रोमांच पसंद करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती है। हालांकि चोटी के बेहद ऊंचे और दुर्गम क्षेत्र में आम पर्यटकों की पहुंच नहीं है, लेकिन सिक्किम के आसपास के पर्यटन स्थलों से कंचनजंघा के शानदार नजारे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। खासकर सुबह और शाम के समय बर्फ से ढकी चोटियों पर पड़ने वाली सूर्य की सुनहरी किरणें पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। गंगटोक, पेलिंग और युकसोम जैसे स्थान कंचनजंघा के मनोरम दृश्यों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां आने वाले पर्यटक ट्रेकिंग, प्रकृति दर्शन और हिमालयी संस्कृति का आनंद लेते हैं। कंचनजंघा क्षेत्र भारत के सबसे लोकप्रिय पर्वतीय पर्यटन स्थलों में से एक है।

बीजेपी के प्लान से गरमाई सियासत, बैठकों ने बढ़ाया राजनीतिक अटकलों का बाजार

महाराष्ट्र में फिर सियासी 'पवार पॉवर', एनसीपी के दोनों गुटों के विलय के बाद एनडीए में एंट्री का प्लान!

नई दिल्ली. एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े सियासी उलटफेर की अटकलें तेज हो गई हैं। चर्चा है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) भविष्य में एनडीए के करीब आ सकती है। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी का मानना है कि एनसीपी के दोनों विरोधी गुटों का दोबारा एक होना इस दिशा में पहला कदम होगा। बीजेपी कथित तौर पर शरद पवार या उनके करीबी नेताओं को अलग से एनडीए में शामिल करने के बजाय दोनों गुटों के एकीकरण को प्राथमिकता दे रही है।

इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास पर एनसीपी के दोनों गुटों के नेताओं की मुलाकात ने चर्चाओं को और हवा दे दी। हालांकि एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल ने इसे अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय प्रशासनिक मुद्दे पर हुई बैठक बताया। उन्होंने एकनाथ शिंदे से भी मुलाकात की। दूसरी ओर, एनसीपी ने अपने राज्यसभा सांसद पार्थ पवार को भविष्य के केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में जगह दिए जाने की मांग भी सामने रखी है। हालांकि एनसीपी के एनडीए में शामिल होने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

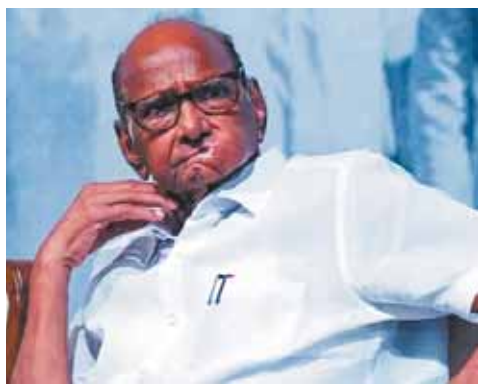

परिवार की राजनीति पर नजर

महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के नेताओं के बीच हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है। बुधवार देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास पर एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल की मुलाकात को लेकर कई तरह के कयास लगाए गए। हालांकि पाटिल ने कहा कि उन्होंने सांगली जिले में अपने चुनाव क्षेत्र से जुड़े स्थानीय प्रशासनिक मामले पर चर्चा की थी। इसके बाद उन्होंने एकनाथ शिंदे से भी मुलाकात की और स्थानीय निकाय से जुड़े एक मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया। वहीं, शरद पवार की अपने विधायकों के साथ शिंदे के कार्यालय में हुई बैठक की भी चर्चा है। इन मुलाकातों के बीच अब सभी की नजर महाराष्ट्र के अगले सियासी कदम पर है।

बीजेपी की रणनीति: पहले एक हों पवार के दोनों गुट

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी (एसपी) गुट को सीधे एनडीए में लाने के पक्ष में नहीं है। पार्टी की रणनीति कथित तौर पर यह है कि पहले एनसीपी के दोनों विरोधी गुटों के बीच मतभेद खत्म हों और संगठनात्मक स्तर पर एकीकरण हो। इसके बाद ही एनडीए के साथ औपचारिक रिश्तों पर विचार किया जा सकता है। बीजेपी का मानना है कि अलग-अलग गुटों के साथ गठबंधन करने की बजाय एकीकृत एनसीपी के साथ राजनीतिक समीकरण बनाना ज्यादा प्रभावी होगा। महाराष्ट्र में फिलहाल बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की सरकार है। ऐसे में शरद पवार गुट के साथ संभावित समझौते की चर्चा ने राज्य की राजनीति में नई संभावनाओं को जन्म दे दिया है।

संसद के गणित ने बढ़ाई गुट की अहमियत

एनसीपी (एसपी) के पास लोकसभा में आठ और राज्यसभा में एक सीट है। ऐसे में संसद में सरकार के लिए पार्टी का समर्थन या कम से कम तटस्थ रुख राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। यह चर्चा ऐसे समय में सामने आई है, जब संसद के मानसून सत्र में प्रस्तावित संविधान संशोधन और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों के बीच बहस की संभावना है। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने हाल ही में कहा था कि यदि परिसीमन के तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की समान अनुपात में बढ़ोतरी होती है तो विरोध का कोई खास कारण नहीं होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निर्णय पर पार्टी इंडी गठबंधन के भीतर चर्चा के बाद ही आगे बढ़ेगी।

राजस्थान : 125 लोगों पर मुकदमा दर्ज

प्रेम विवाह करने पर खाप पंचायत ने लगाया 21 लाख का जुर्माना

जयपुर. एजेंसी

राजस्थान के दौसा जिले में 84 गांवों की मीणा समाज की खाप पंचायत ने विवाहिता से प्रेम विवाह करने वाले युवक के स्वजन पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर सामाजिक बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। उधर महिला ने स्वयं और युवक पर हमले की आशंका जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा मांगी है। वहीं, युवक के चाचा ने इस संबंध में खाप पंचायत के 125 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

युवक कमलेश मीणा और एक युवती ने अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया है। दोनों के स्वजन ने भी प्रेम विवाह को सहमति दी है लेकिन खाप पंचायत को यह प्रेम विवाह पसंद नहीं आया और दो दिन पहले युवक के स्वजन पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। युवक के चाचा ने आरोप लगाया कि खाप ने उनके परिवार पर प्रेम विवाह को स्वीकार नहीं करने को लेकर दबाव बनाया और पंचायत की बात नहीं मानने पर युवती के

स्वजन पर आर्थिक दंड लगाने के साथ ही दोनों परिवारों का सामाजिक बहिष्कार किया। रामगढ़ पचवारा पुलिस थाना अधिकारी मदनलाल ने बताया कि महिला की ओर से सुरक्षा को लेकर प्रार्थना पत्र मिला है। संबंधित लोगों को पाबंद किया जाएगा।

यह है मामला : कमलेश मीणा और महिला के बीच कई वर्षों से प्रेम संबंध थे। हालांकि, प्रेम संबंधों को दरकिनार कर युवती का विवाह अप्रैल 2026 में किसी अन्य युवक के साथ करवा दिया। विवाह के बाद वह ससुराल नहीं गई। वह स्वजन की इच्छा के खिलाफ जयपुर 4 में पढ़ाई कर रहे कमलेश के पास पहुंच गई। पिछले दिनों दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया।

38 साल पहले अस्पताल में बदल गए थे दो बच्चे डीएनए टेस्ट से खुला राज तो अस्पताल पर केस

वॉशिंगअन, एजेंसी

अमेरिका के नॉर्थ डकोटा में 38 साल पहले अस्पताल में दो नवजात बच्चों की अदला-बदली का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। डीएनए टेस्ट से सच्चाई सामने आने के बाद बड़े हो चुके दोनों पुरुषों और उनके परिवारों ने अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। परिवारों का आरोप है कि अस्पताल की गलती के कारण दोनों को अपने जैविक परिवारों से दूर रहकर जिंदगी बितानी पड़ी। मामला 26 जनवरी 1988 का है। काइल बाइलिन और जेरेमी मॉरिसन का जन्म ग्राफ्टन स्थित यूनिटी मेडिकल सेंटर में हुआ था। वर्षों बाद काइल ने घर पर डीएनए टेस्ट कराया, जिससे उसे अपनी जैविक बुआ के बारे में पता चला। इसके बाद जेरेमी ने भी डीएनए टेस्ट

कराया और दोनों के बीच जैविक संबंध की पुष्टि हो गई। जेरेमी ने काइल के भाई की तस्वीर देखकर भी समानता महसूस की। अस्पताल ने कहा कि बच्चों की अदला-बदली के लिए स्टाफ की जिम्मेदारी साबित करने वाला कोई सबूत नहीं है। वहीं काइल के पास कथित तौर पर गलत पहचान वाला अस्पताल ब्रेसलेट अब भी मौजूद है। अस्पताल के पुराने रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं हैं। अदालत में अब इस मामले की सुनवाई होगी।

मेक्सिको में 7.4 तीव्रता का भूकंप, घर से भागे लोग सुनामी का अलर्ट जारी

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट पर 7.4 तीव्रता का ज़बरदस्त भूकंप आया, जिससे सुनामी की चेतावनी जारी की गई और मध्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। इस ज़बरदस्त भूकंपीय गतिविधि से अल साल्वाडोर और ग्वाटेमाला जैसे पड़ोसी देश भी हिल गए। रूजियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, यह भूकंप मैक्सिको के शहर प्यूर्टो माडेरो के पास ज़मीन से सिर्फ़ 10 किलोमीटर की कम गहराई पर आया, जिससे आस-पास के इलाकों में ज़मीन के भीतर तेजी से कंपन हुआ जिससे बिल्डिंग्स हिलने लगीं। कुछ देर के बाद एक और झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.0 थी, जिससे आफ्टरशॉक्स की भी संभावना बढ़ गई है।

बालिगों के बीच सहमति से बने संबंध के बाद शादी से इनकार करना रेप नहीं : हाई कोर्ट

जबलपुर, एजेंसी

मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि दो बालिगों के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों के बाद यदि किसी कारणवश शादी नहीं हो पाती या युवक शादी से इनकार कर देता है, तो केवल इस आधार पर उसे दुष्कर्म या आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

न्यायमूर्ति राजेंद्र कुमार वानी की एकलपीठ ने सीधी जिले के एक मामले में आरोपी को दोनों आरोपों से दोषमुक्त करते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा निरस्त कर दी। अभियोजन के अनुसार, 10 फरवरी 2020 को सीधी जिले की युवती घर से चारा और सब्जी लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। दो दिन बाद उसका शव मझौली थाना क्षेत्र में अरहर के खेत में पेड़ से लटका मिला। आरोप था कि युवक ने शादी का वादा कर युवती से संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया, जिससे आहत होकर उसने आत्महत्या कर ली। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, सीधी ने 28 जून 2025 को आरोपी को आईपीसी की धारा 376(1) और 306 के तहत दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे साबित हो कि आरोपी ने शुरुआत से ही शादी का झूठा वादा धोखे की नीयत से किया था। अदालत ने यह भी कहा कि यदि विवाह का प्रस्ताव शुरू में वास्तविक था और बाद में परिस्थितियों के कारण शादी नहीं हो सकी, तो इसे दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। इसी तरह, आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप साबित करने के लिए आरोपी के आचरण और आत्महत्या के बीच प्रत्यक्ष संबंध होना जरूरी है।

मेट्रो एंकर ब्रेक के बाद मानसून की वापसी के संकेत, कई जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

भोपाल में कल से झमाझम के आसार, सूबे में 20 से सक्रिय होगा मानसून

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अगले 24 घंटे के दौरान झमाझम बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज से प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से भारी बारिश हो सकती है। मानसून पर लगा ब्रेक अब खत्म होने के संकेत हैं और 20 जुलाई से प्रदेश में बारिश का दौर और तेज हो सकता है। 19 जुलाई से मौसम में बदलाव शुरू होने के बाद 20 जुलाई को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट आने और उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

पिछले दिनों पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। सीधी में सर्वाधिक 46 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मंडला में 17, मलाजखंड में 16, सतना और सिवनी में 13 तथा दमोह में 12 मिमी बारिश

हुई। छिंदवाड़ा, जबलपुर, सागर और शिवपुरी समेत कई जिलों में भी अच्छी बौछारें पड़ीं। इसके विपरीत भोपाल और इंदौर सहित पश्चिमी हिस्सों में तापमान बढ़ा। भोपाल में पारा 34.4 और इंदौर में 33.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

कई जिलों में 18 से 22 जुलाई तक बारिश का दौर

ग्वालियर-चंबल सहित प्रदेश के कई हिस्सों में 18 से 22 जुलाई के बीच बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र कमजोर हो रहा है, लेकिन इसके प्रभाव से नमी मिलने पर बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इस दौरान कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश होगी। शनिवार से 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ गरज-चमक और बारिश होने की संभावना है। हालांकि ग्वालियर-चंबल अंचल में अत्यधिक बारिश की संभावना कम है। अगले चार दिनों तक रुक-रुककर बारिश होने से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है।

पूर्वी मप्र में बारिश, पश्चिमी हिस्सों में बढ़ा पारा

मानसून की सक्रियता का असर पूर्वी मध्य प्रदेश में ज्यादा दिखाई दिया। सीधी, मंडला, बालाघाट, सतना, सिवनी और दमोह में अच्छी बारिश दर्ज की गई। जबलपुर में करीब 2 मिमी बारिश के बाद तापमान में 4.9 डिग्री की गिरावट आई और पारा 30.4 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं राजधानी भोपाल समेत पश्चिमी मध्य प्रदेश में बादलों की आवाजाही के बावजूद गर्मी और उमस बनी रही। भोपाल का अधिकतम तापमान सामान्य से करीब चार डिग्री अधिक 34.4 डिग्री दर्ज हुआ। इंदौर में भी तापमान 33.7 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में बारिश बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में भी तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

प. बंगाल: बर्धमान की फैक्ट्री में लगी आग, पांच घायल

कोलकाता। प. बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में देर रात एक स्पंज आयरन फैक्ट्री की भट्टी में जोरदार धमाका हो गया। धमाके के बाद यूनिट में आग लग गई। इस हादसे में 5 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस धमाके की आवाज करीब 1 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। पुलसि और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने बताया कि अब तक 5 कर्मचारियों को बाहर निकालकर गंभीर हालत में अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के समय भट्टी के पास और कितने लोग थे, यह अभी साफ नहीं हुआ है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564